मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्षः 8 अंक 96
गुरुवार, 16 अक्टूबर 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

प्रधानमंत्री मोदी कल आंध्र प्रदेश का दौरा करेंगे; कई विकास परियोजनाओं का करेंगे उद्घाटन और शिलान्यास

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कल (गुरुवार) आंध्र प्रदेश के दौरे पर रहेंगे। आधिकारिक घोषणा के अनुसार, वह नंदयाल जिले में स्थित श्री भ्रमरम्बा मल्लिकार्जुन स्वामी वरला देवस्थानम में पूजा-अर्चना करेंगे और दर्शन करेंगे। मंदिर में दर्शन के बाद, प्रधानमंत्री मोदी श्रीशैलम स्थित श्री शिवाजी स्फूर्ति केंद्र भी जाएँगे। इसके बाद प्रधानमंत्री कुरनूल जाएँगे, जहाँ वे लगभग 13,430 करोड़ रुपये की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास और राष्ट्र को समर्पित करेंगे। विज्ञप्ति में बताया गया है कि इस अवसर पर वे एक जनसभा को भी संबोधित करेंगे। इसमें आगे उल्लेख किया गया है कि प्रधानमंत्री श्री भ्रामराम्बा मल्लिकार्जुन स्वामी वरला देवस्थानम में पूजा और दर्शन करेंगे, जो 12 ज्योतिलिंर्गों में से एक और 52 शक्तिपीठों में से एक है। इस मंदिर की अनूठी विशेषता एक ही मंदिर परिसर में एक ज्योतिर्लिंग और एक शक्तिपीठ का सह-अस्तित्व है, जो इसे पूरे देश में अपनी तरह का एक अनूठा मंदिर बनाता है। प्रधानमंत्री श्री शिवाजी स्फूर्ति केंद्र का भी दौरा करेंगे, जो एक स्मारक परिसर है जिसमें एक ध्यान मंदिर (ध्यान कक्ष) शामिल है जिसमें चार कोनों पर चार प्रतिष्ठित किलों, प्रतापगढ़,

राजगढ़, रायगढ़ और शिवनेरी के मॉडल हैं। इसके केंद्र में गहरे ध्यान में छत्रपति शिवाजी महाराज की एक मूर्ति है।यह केंद्र श्री शिवाजी स्मारक समिति द्वारा संचालित है, जिसकी स्थापना श्रीशैलम में 1677 में छत्रपति शिवाजी महाराज की इस पवित्र तीर्थस्थल की ऐतिहासिक यात्रा के उपलक्ष्य में की गई थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगभग 13,430 करोड़ रुपये की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास, उद्घाटन और राष्ट्र को समर्पित करेंगे। ये परियोजनाएँ उद्योग, बिजली पारेषण, सड़क, रेलवे, रक्षा विनिर्माण और पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस सहित प्रमुख क्षेत्रों में फैली हुई हैं, जो क्षेत्रीय बुनियादी ढाँचे को बढ़ाने, औद्योगीकरण में तेजी लाने और राज्य में समावेशी सामाजिक-आर्थिक विकास को गति देने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दशार्ती हैं। प्रधानमंत्री 2,880 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश से कुरनूल-क्क्क पूलिंग स्टेशन पर पारेषण प्रणाली सुद्दढ़ीकरण परियोजना की आधारशिला रखेंगे। इस परियोजना में 765 केवी डबल-सर्किट कुरनूल-क्क्कपूलिंग स्टेशन-चिलाकलुरिपेटा ट्रांसमिशन लाइन का निर्माण शामिल है।

सुप्रीम कोर्ट ने लिट्टे मामले में सुनवाई से किया इनकार, 'खुद को पीएम बताने वाले' को झटका

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को एक व्यक्ति द्वारा दायर याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया, जो तमिल ईलम की एक अंतरराष्ट्रीय सरकार का 'प्रधानमंत्री' होने का दावा करता है, तथा उसने लिट्टे को गैरकानूनी घोषित करने से संबंधित मामले में सुनवाई की मांग की थी। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ द्वारा याचिका पर विचार करने में अनिच्छा दिखाने के बाद, याचिकाकर्ता विसुवनाथन रुद्रकुमारन के वकील ने याचिका वापस ले ली। रुद्रकुमारन श्रीलंका में जन्मे थे और अब अमेरिका के निवासी हैं। उन्होंने दिल्ली उच्च न्यायालय के अक्टूबर 2024 के आदेश को

चुनौती दी थी, जिसमें गैरकानूनी गतिविधि न्यायाधिकरण के समक्ष कार्यवाही में पक्षकार बनने की उनकी याचिका खारिज कर दी गई थी।

लिट्टे को गैरकानूनी संगठन घोषित करने के मामले में न्यायाधिकरण का गठन जून 2024 में गैरकानूनी गतिविधियाँ अधिनियम, 1967 के तहत किया गया था। रुद्रकुमारन ने उच्च न्यायालय में न्यायाधिकरण के 11 सितंबर, 2024 के आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें लिट्टे से संबंधित कार्यवाही में सुनवाई की मांग वाली याचिका को खारिज कर दिया गया था। सुनवाई के दौरान, रुद्रकुमारन के वकील ने सर्वोच्च न्यायालय को बताया कि याचिकाकर्ता निर्वासित तमिल सरकार का प्रतिनिधि प्रधानमंत्री है। उनके वकील ने कहा कि सवाल यह है कि क्या किसी संबंधित पक्ष, जिसके पास न्यायाधिकरण को देने के लिए महत्वपूर्ण जानकारी है, को केवल इस आधार पर जानकारी देने से रोका जाना चाहिए कि वह एक विदेशी नागरिक है।

दिल्ली हाई कोर्ट का सख्त आदेश: ऋतिक के नाम-फोटो का व्यावसायिक इस्तेमाल बंद होगा

दिल्ली, 15 अक्टूबर। दिल्ली हाई कोर्ट ने अभिनेता ऋतिक रोशन की पर्सनैलिटी राइट्स से जुड़े एक मामले में महत्वपूर्ण निर्देश दिए हैं। बता दें कि अभिनेता उनकी अनुमति के बिना उनके नाम, तस्वीरों और वीडियो का व्यावसायिक कामों के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है के कारण अदालत का रूख किया था।

मौजूद जानकारी के अनुसार, अदालत ने कुछ ई-कॉमर्स और इंटरनेट वेबसाइटों पर मौजूद लिंक और लिस्टिंग हटाने का निर्देश दिया है, जिन्हें रोशन की अनुमति के बिना उनके चित्र और नाम के व्यावसायिक उपयोग से जोड़ा गया था। वहीं, अदालत ने इंस्टाग्राम पेज और फैन क्लब्स के

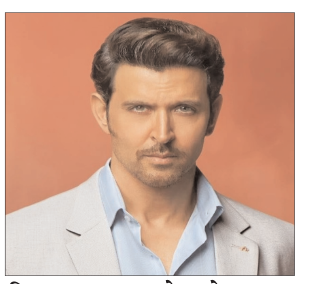

खिलाफ तत्काल रोक से इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति मनीमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा ने स्पष्ट किया कि यदि फैन पेज गैर-व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए उपयोग किए जा रहे हैं और इसमें कोई अपमानजनक सामग्री नहीं है, तो उन्हें हटाया नहीं जा सकता।सिनियर एडवोकेट संदीप सेठी ने अदालत में कहा कि रोशन की तस्वीरों और नाम का इस्तेमाल बैग, कपड़ों और अन्य मर्चेंडाइज बेचने के लिए किया जा रहा है। इसके अलावा, उनके वीडियो का उपयोग अनधिकृत रूप से डांस ट्यूटोरियल के लिए किया जा रहा है। अदालत ने कहा कि डांस ट्यूटोरियल के लिए गाने और परफॉर्मेंस का उपयोग गैर-व्यावसायिक उद्देश्य से किया जा रहा है और यह सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध है, इसलिए इसे तुरंत हटाना उचित नहीं है। हालांकि, अदालत ने अभिनेता से जुड़े अक निर्मित कंटेंट को हटाने का निर्देश दिया।गौरतलब है कि यह मामला रोशन की पर्सनैलिटी राइट्स और पब्लिसिटी राइट्स से जुड़ा है, जिसमें उनके नाम, आवाज, छवि और अन्य विशेषताओं के अनधिकृत उपयोग का आरोप लगाया गया है।

सुगंधित फूलों और दीपों से जगमगाएगा बाबा विश्वनाथ धाम

सुरेश गांधी

वाराणसी। काशी के भक्तों के लिए आध्यात्मिक आनंद और सांस्कृतिक उल्लास का प्रतीक बन चुका श्रीकाशी विश्वनाथ धाम इस बार भी दीप ज्योति पर्व के लिए पूरी तरह सज-धज कर तैयार हो रहा है। सुगंधित पुष्पों की महक और विद्युत झालरों की चमक से धाम का वातावरण भक्तों को अलौकिक अनुभव कराएगा। धाम के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्व भूषण मिश्र ने बताया कि गुरुवार से धाम में सजावट का कार्य शुरू हो जाएगा। मंदिर परिसर को बाबा के प्रिय रंग-बिरंगे पुष्पों से सजाया जाएगा और छह दिनों तक निरंतर धार्मिक व सांस्कृतिक अनुष्ठान आयोजित होंगे। सुगंधित पुष्पों, दीपों और भोग की इस भव्य

व्यवस्था के साथ श्रीकाशी विश्वनाथ धाम इस बार भी भक्तों के लिए आध्यात्मिक और सांस्कृतिक उत्सव का केंद्र बनेगा।

धनतेरस के दिन ही मां अन्नपूर्णा का भव्य दरबार खुलेगा। दोनों हाथों से भक्तों पर अपना खजाना लुटाने वाली मां इस अवसर पर दो दिनों तक भक्तों को प्रसन्न करेंगी। मंदिर प्रशासन ने बताया कि भक्तों की सुविधा और भक्ति भाव को ध्यान में रखते हुए दरबार की सजावट इस बार और भी भव्य होगी।

दीपावली के दिन अन्नकूट महोत्सव में मां अन्नपूर्णा और बाबा विश्वनाथ को 14 क्विंटल मिठाइयों सहित कुल 56 प्रकार के व्यंजन भोग के रूप में चढ़ाए जाएंगे।नमकीन एवं मठरीः मंदिर प्रशासन स्वयं तैयार करेगा

अन्य व्यंजनः काशी की विश्वसनीय दुकानों से मंगवाए जाएंगे।इस वर्ष अन्नकूट महोत्सव और भोग का आयोजन पहले से भी अधिक भव्य और श्रद्धालुओं के लिए आकर्षक बनाया गया है।

दीपावली के दिन मंदिर चौक में विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। दीपमालिकाओं और विद्युत झालरों से सजा धाम पूरे काशी में रौशनी और भक्ति की अलौकिक छटा बिखेरेगा। सुगंधित फूलों की खुशबू, दीपों की चमक और भोग के व्यंजनों की महक मिलकर श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक आनंद प्रदान करेगी।

बाहर से भी आएंगे भक्त और व्यंजन मंदिर प्रशासन ने यह भी सुनिश्चित किया है कि मिठाइयों व व्यंजनों की गुणवत्ता सर्वोत्तम रहे। कई प्रकार की मिठाइयां मंदिर में स्वयं बनवाई जाएंगी, जबकि अन्य विश्वसनीय दुकानों से मंगवाई जाएंगी। इससे न केवल श्रद्धालुओं को विविध स्वादों का अनुभव मिलेगा, बल्कि काशी की स्थानीय मिठाई और व्यंजन उद्योग को भी प्रोत्साहन मिलेगा।

दिल्ली-एनसीआर में गूजेगीं पटाखों की आवाजः सुप्रीम कोर्ट ने ग्रीन पटाखों की अनुमति दी

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर। इस बार दिवाली दिल्ली और एनसीआर ग्रीन पटाखों वाली होगी। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने 18 से 21 अक्टूबर तक सुबह 6 बजे से 8 बजे और शाम 8 बजे से 10 बजे तक ग्रीन पटाखे फोड़ने की अनुमति दी है। वहीं, इन पटाखों की बिक्री केवल 15 से 25 अक्टूबर तक निर्धारित जगहों पर ही की जा सकेगी।

मौजूद जानकारी के अनुसार, अदालत ने स्पष्ट किया कि केवल उरक्क-ठएएफ्क द्वारा प्रमाणित ग्रीन पटाखों की ही बिक्री होगी और पुलिस की ओर से अचानक निरीक्षण किए जाएंगे ताकि कोई निमार्ता ग्रीन पटाखों के मानकों का उल्लंघन न करे। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि बिना पर्याप्त डेटा के पूरी तरह पटाखों पर प्रतिबंध लगाना उचित नहीं था और इसलिए एक संतुलित दृष्टिकोण अपनाया गया है, जिसमें उत्सव मनाने की आजादी पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए बिना दी गई है।

अदालत ने यह भी निर्देश दिया कि दिल्ली-एनसीआर में बाहर से कोई पटाखा नहीं लाया जा सकता और नियमों का उल्लंघन करने वाले विक्रेताओं का लाइसेंस निलंबित किया जाएगा। उरक्क-ठएएफ्क के अनुसार, ग्रीन पटाखों से पारंपरिक पटाखों की तुलना में 20-30% कम हानिकारक कण उत्सर्जित होते हैं। इन्हें हरे उरक्क-ठएएफ्क लोगो और एन्क्रिप्टेड दफ कोड से पहचाना जा सकेगा, जिससे उनकी प्रामाणिकता सुनिश्चित हो।हालांकि, पर्यावरणविद और स्वास्थ्य विशेषज्ञ इस निर्णय के प्रति सतर्क हैं। भवरिन कंधारी ने कहा कि दिल्ली की सर्दियों में प्रदूषण जमा होने के कारण ग्रीन पटाखों का केवल 30% उत्सर्जन कम होना पर्याप्त नहीं है। माता-पिता भी बच्चों की स्वास्थ्य सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि इस दिवाली वाहन, निर्माण और बिजली से पहले से ही उच्च स्तर के प्रदूषण में पटाखों की छूट हवा की गुणवत्ता को और बिगाड़ सकती है।

आर के मीडिया
हिन्दी दैनिक न्यूज पेपर, साप्ताहिक न्यूज पेपर, हिन्दी मासिक पत्रिका का पेज बनबाने के लिए
सम्पर्क करे: 9199355950

सीएम योगी का बड़ा तोहफा, उज्ज्वला की 1.86 करोड़ महिलाओं को मिलेंगे दो मुफ्त सिलेंडर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना की महिला लाभार्थियों को दो मुफ़्त एलपीजी रिफिल प्रदान करने वाली है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को लोक भवन में इसकी आधिकारिक घोषणा करेंगे, जिससे राज्य भर के 1.86 करोड़ परिवारों को लाभ होगा।2016 में शुरू की गई इस योजना का उद्देश्य ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों में पारंपरिक रसोई ईंधन के स्थान पर एलपीजी उपलब्ध कराना है। उत्तर प्रदेश इस योजना के क्रियान्वयन में देश में अग्रणी है।

एक लाख एकल शिक्षक स्कूलों की त्रासदी से त्रस्त शिक्षातंत्र

-ललित गर्ग

भारत में आज भी कई सरकारी और प्राइवेट स्कूलों के बच्चे सिर्फ एक शिक्षक के भरोसे सभी विषय पढ़ रहे हैं। शिक्षा मंत्रालय के साल 2024-25 के आधिकारिक डेटा के मुताबिक देश के कुल 1,04,125 स्कूलों में एक ही शिक्षक सभी कक्षाओं एवं सभी विषयों को पढ़ा रहे हैं। यह आंकड़ा हमारे शिक्षा तंत्र की विफलता को दशार्ता ही नहीं रहा है बल्कि चिन्ताजनक स्थिति को बयां कर रहा है। ये आंकडे.हमारे शैक्षणिक विकास पर एक गंभीर प्रश्न खड़ा कर रहे हैं। ह्लशिक्षा किसी राष्ट्र की आत्मा होती है ह्व स्वामी विवेकानंद का यह वाक्य आज भारत की शिक्षा व्यवस्था पर एक कसक बनकर उभरता है। जब शिक्षा की आत्मा घायल होती है तो राष्ट्र का शरीर कभी स्वस्थ नहीं रह सकता।

शिक्षा मंत्रालय के ये हालिया आंकड़े बताते हैं कि एकल शिक्षक स्कूलों में करीब पौने चौंतीस लाख विद्यार्थी अध्ययन कर रहे हैं। बताया जाता है कि आंध्र प्रदेश में ऐसे स्कूलों की संख्या सबसे ज्यादा थी, जबकि उसके बाद उत्तर प्रदेश, झारखंड, महाराष्ट्र, कर्नाटक और लक्षद्वीप का स्थान है। एक तो हमारे देश में शिक्षा का बजट पहले ही बहुत कम है, फिर उस धन का सही उपयोग नहीं हो पाना एक भ्रष्टाचार ही है। इसमें दो राय नहीं कि प्राथमिक व माध्यमिक शिक्षा के गिरते स्तर के मूल में हमारे नीति-नियंताओं की अनदेखी ही प्रमुख कारक है। आखिर हम अपने नौनिहालों को कैसी शिक्षा दे रहे हैं? आखिर उनके बेहतर भविष्य की हम कैसे उम्मीद करें? जाहिर बात है कि एक शिक्षक सामाजिक विषय, भाषा, विज्ञान, अंग्रेजी और गणित में माहिर नहीं हो सकता। एक शिक्षक छात्रों की हाजिरी दर्ज करेगा या पढ़ाई कराएगा? एकल शिक्षक स्कूलों का परिदृश्य भारत के विकास की पौल खोलने वाला है। भले ही एकल शिक्षक स्कूलों में पिछले वर्ष की तुलना में 6 प्रतिशत की कमी दर्ज हुई हो, फिर इतनी बड़ी संख्या में ऐसे स्कूलों का होना हमारी शिक्षा व्यवस्था की बड़ी नाकामी को ही उजागर कर रहा है। यह स्थिति किसी एक आंकड़े की नहीं, बल्कि राष्ट्र के भविष्य की गहरी त्रासदी की तस्वीर है।

कल्पना कीजिए-एक शिक्षक जो प्रशासनिक काम भी करता है, मिड-डे मील की निगरानी भी करता है और साथ में सभी कक्षाओं को पढ़ाने की जिम्मेदारी भी निभाता है। क्या वह शिक्षक शिक्षक रह जाता है या व्यवस्था का बोझ उठाने वाला मजदूर बन जाता है? इन बच्चों की शिक्षा कैसी होगी, जिनके लिए ज्ञान का एकमात्र द्वार ही थकान, उपेक्षा और तंगहाली से भरा है? यह संकट केवल ग्रामीण भारत तक सीमित नहीं है। शहरी और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में भी सैकड़ों स्कूल ऐसे हैं जहाँ विषय विशेषज्ञों की कमी, प्रयोगशालाओं की अनुपस्थिति और शिक्षण संसाधनों का अभाव है। नई शिक्षा नीति 2020 समग्र शिक्षा की बात करती है, लेकिन जब आधारभूत ढाँचा ही अपूर्ण हो तो नीतियाँ केवल दस्तावेज बनकर रह जाती हैं। हम 2047 तक विकसित भारत की परिकल्पना कर रहे हैं, पर क्या एकल शिक्षक स्कूलों की यह स्थिति उस दिशा में कोई सार्थक कदम का संकेत है?

यह विडंबना है कि भारत विश्व की सबसे बड़ी युवा आबादी वाला देश है, पर उसके बचपन की शिक्षा का यह हाल है। शिक्षा पर सरकारी व्यय जीडीपी का केवल 2.9 प्रतिशत है, जबकि विकसित देशों में यह 5 से 6 प्रतिशत तक है। जब शिक्षा ही निवेश नहीं बनेगी, तो विकास का आधार कहाँ से आएगा? समस्या केवल शिक्षक संख्या की नहीं, बल्कि शिक्षकों की भर्ती, प्रशिक्षण और संसाधनों की भी है। राज्यों में नियुक्ति प्रक्रियाएँ वर्षों तक लटकी रहती हैं, स्थानांतरण नीति अव्यवस्थित है, और जो शिक्षक हैं भी, उन्हें आधुनिक शिक्षा पद्धति, डिजिटल शिक्षण, नवाचार और नैतिक मूल्य आधारित शिक्षण के प्रशिक्षण से वंचित रखा गया है। यह स्थिति उस समय और अधिक विडंबनापूर्ण लगती है जब हम हर मंच पर ह्लनया भारतह्व, ह्लविकसित भारतह्व और ह्लविश्वगुरु भारतह्व के नारे लगाते हैं। शिक्षा को राष्ट्रीय प्राथमिकता के रूप में देखने की आवश्यकता है। रक्षा और स्वास्थ्य की तरह शिक्षा को भी सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए।

शिक्षक भर्ती में पारदर्शिता और समयबद्ध प्रक्रिया सुनिश्चित हो, दूरस्थ क्षेत्रों के स्कूलों का समुचित समायोजन किया जाए, तकनीक के माध्यम से डिजिटल शिक्षा का विस्तार हो और शिक्षकों को केवल वेतनभोगी कर्मचारी नहीं बल्कि राष्ट्रनिमार्ता के रूप में सम्मान मिले। महात्मा गांधी ने कहा था, ह्लयदि हमें भारत को पुनः महान बनाना है, तो शिक्षा को पुनः मानवीय बनाना होगा ह्व आज शिक्षा केवल परीक्षा और नौकरी तक सीमित हो गई है, जबकि उसका उद्देश्य चरित्र निर्माण और विवेक जागरण होना चाहिए। यदि 34 लाख बच्चे एकल शिक्षक के भरोसे हैं, तो यह केवल प्रशासनिक विफलता नहीं, बल्कि हमारी सामूहिक संवेदनहीनता का प्रमाण है। भारत तभी विकसित होगा जब हर बच्चा पढ़ेगा-सिर्फ स्कूल में नहीं, बल्कि सच्चे अर्थों में शिक्षित होगा। अन्यथा, एकल शिक्षक की यह पीड़ा आने वाले भारत की मौन त्रासदी बन जाएगी। शिक्षक दीपक की तरह होते हैं, वे स्वयं जलकर समाज को प्रकाश देते हैं। पर जब दीपक ही अकेला रह जाए, तो अंधकार स्वाभाविक है। अब समय है कि हम इस अंधकार को दूर करने का संकल्प लें, क्योंकि शिक्षा ही राष्ट्र का भविष्य है और शिक्षक उस भविष्य के निमार्ता हैं।

सोचने वाली बात है कि एक स्कूल की सारी कक्षाओं को एक शिक्षक कैसे पढ़ाता होगा? छात्र-छात्राएं कैसी और कितनी शिक्षा ग्रहण कर पाते होंगे? शिक्षा का मतलब छात्रों का सर्वांगीण विकास होता है। उन्हें पढ़ाई के साथ पाठ्यसहगामी क्रियाओं का भी ज्ञान दिया जाना जरूरी होता है। लेकिन जब स्कूलों में पर्याप्त शिक्षक ही नहीं होंगे तो किताबी पढ़ाई कैसी होगी, अंदाजा लगाना कठिन नहीं है। स्कूल में सिर्फ पढ़ाई ही महत्वपूर्ण नहीं होती। बच्चों का शारीरिक विकास पूरी तरह हो, उसके लिए खेलकूल एवं सांस्कृतिक गतिविधियों एवं योग-व्यायाम जैसी कक्षाओं की सख्त जरूरत होती है। लेकिन जब शिक्षक ही पर्याप्त नहीं होंगे तो शिक्षा के साथ चलने वाली इन गतिविधियों की तो कल्पना भी नहीं की जा सकती है। निस्संदेह, हम छात्रों के बीमार भविष्य की बुनियाद ही रख रहे हैं और ऐसी बीमार बुनियाद पर खड़ा राष्ट्र कैसे स्वस्थ, सक्षम एवं उन्नत होगा? शिक्षा के प्रति यह उपेक्षा हमारे सत्ताधीशों की संवेदनहीनता का भी पर्याय है। शिक्षकों की नियुक्ति में जिस बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार के मामले विभिन्न राज्यों में सामने आए हैं, उससे शिक्षा विभाग की प्रदूषित कार्य संस्कृति का बोध होता है। आखिर क्या वजह है कि देश में प्रशिक्षित शिक्षकों की पर्याप्त संख्या होने के बावजूद स्कूलों में शिक्षकों की कमी बनी हुई है। यह स्थिति हमारे तंत्र की विफलता को ही उजागर करती है। एक समस्या यह भी है कि शिक्षक जटिल भौगोलिक स्थितियों वाले स्कूलों में काम करने से कतराते हैं। यदि इन स्कूलों में शिक्षकों की नियुक्ति हो भी जाती है तो वे दुर्गम से सुगम स्कूलों में अपना तबादला ज्वाइन करने के तुरंत बाद करवा लेते हैं। जिसमें राजनीतिक हस्तक्षेप से लेकर विभागीय लेन-देन की भी शिकायत होती रहती है। यही वजह है कि शहरों व आसपास के इलाकों में स्थित स्कूलों में शिक्षकों की तैनाती जरूरत से ज्यादा भी देखी जाती है।

कैसी दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है कि सड़कों पर बेरोजगारों की लाइन लगी हैं और स्कूलों में शिक्षकों के लाखों पद खाली हैं। बताया जाता है कि माध्यमिक व प्राथमिक विद्यालयों में करीब साढ़े आठ लाख शिक्षकों के पद खाली हैं। इसके बावजूद कि हमारे यहां प्रशिक्षित शिक्षकों की कोई कमी नहीं है। कहने को तो हमारे गाल बजाते नेता भारत को दुनिया में सबसे ज्यादा युवाओं का देश कहते इतराते हैं, लेकिन इन नेताओं से पूछा जाना चाहिए कि कुंठित होती युवा पीढ़ी के लिये उन्होंने क्या खास किया है? नौकरियों की भर्ती निकलती नहीं है। तीसरी अर्थ-व्यवस्था बनने की ओर अग्रसर देश में ऐसी त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण स्थितियों का होना देश के नीति-निर्मातांओं एवं नायकों के लिये शर्म का विषय होना चाहिए।

सेवा, सुरक्षा, सहयोग या आत्मघात? हरियाणा पुलिस का संकट काल

- डॉ. सत्यवान सौरभ

हरियाणा पुलिस एक गहरे संकट से गुजर रही है। पहले आईपीएस पूरन कुमार और अब एएसआई संदीप लाठर की आत्महत्या ने विभाग की कार्यसंस्कृति, मनोबल और आंतरिक तनाव पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। लगातार आत्महत्याओं से यह स्पष्ट है कि वर्दी के पीछे इंसान टूट रहा है। राजनीतिक दबाव, जातिगत खींचतान और मानसिक अवसाद पुलिस व्यवस्था को खोखला बना रहे हैं। अब जरूरत है उच्च स्तरीय जांच के साथ-साथ जिला स्तर पर काउंसलिंग व्यवस्था की, ताकि खाकी का आत्मविश्वास लौट सके और ♯सेवा, सुरक्षा, सहयोग♯ का आदर्श दोबारा जीवित हो।

हरियाणा इन दिनों एक ऐसे दौर से गुजर रहा है, जहाँ पुलिस महकमे की साख, मनोबल और संवेदनशीलता तीनों एक साथ संकट में दिखाई दे रहे हैं। पहले आईपीएस अधिकारी पूरन कुमार की आत्महत्या ने पूरे राज्य को झकझोर दिया और अब एएसआई संदीप लाठर की खुदकुशी ने इस त्रासदी को और गहरा कर दिया है। दोनों घटनाएँ न केवल पुलिस विभाग के भीतर की बेचैनी को उजागर करती हैं, बल्कि यह भी बताती हैं कि कानून के रखवाले ही जब अपने जीवन से हार मानने लगें, तो समाज की बुनियाद कितनी डगमगा जाती है।

एएसआई संदीप लाठर ने आत्महत्या से पहले जो वीडियो जारी किया, उसमें उसने अपने अफसरों और सिस्टम के रवैये पर सवाल उठाए। इससे पहले आईपीएस पूरन कुमार की मौत के बाद भी कई सवाल अनुत्तरित रह गए थे। अब इन दो आत्महत्याओं ने मिलकर एक ऐसा सिलसिला शुरू कर दिया है, जिसने हरियाणा पुलिस की छवि पर गहरा धब्बा छोड़ दिया है। आम जनता यह सोचने पर मजबूर है कि जो विभाग सुरक्षा और न्याय का प्रतीक माना जाता है, उसके भीतर इतना असंतोष, अविश्वास और भय कैसे पनप गया।

हरियाणा पुलिस देश की सबसे अनुशासित और जुझारू पुलिस बलों में गिनी जाती रही है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में हालात ऐसे बने हैं कि इस बल के भीतर मनोबल टूटने लगा है। कहीं राजनीतिक दबाव है, कहीं जातिगत खींचतान, तो कहीं अफसरों के बीच अंतर्विरोध। आईपीएस पूरन कुमार की आत्महत्या के मामले में कई लोगों ने सवाल उठाया था कि क्या उन्हें किसी साजिश का शिकार बनाया गया? और अब संदीप लाठर की मौत के बाद यह सवाल और भी गंभीर रूप ले चुका है।

यह पूरा घटनाक्रम किसी वेब सीरीज की तरह उलझा हुआ प्रतीत होता है, जिसमें हर पात्र का अपना दर्द है और हर मोड़ पर नया रहस्य खुलता है। परंतु यह कोई काल्पनिक कथा नहीं, बल्कि एक वास्तविक त्रासदी है – उन परिवारों की जिनके सदस्य कानून के रक्षक थे और अब उनकी आत्माएं न्याय की पुकार लगा रही हैं। कानून और व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी जिन लोगों के कंधों पर होती है, जब वही खुद अवसाद, निराशा और असहायता के शिकार हों, तो यह किसी भी राज्य के लिए चेतावनी की घंटी है। हरियाणा में हाल के वर्षों में कई बार पुलिस कर्मियों ने खुले मंच से यह स्वीकार किया है कि उनकी कार्यस्थितियाँ बेहद तनावपूर्ण हैं। लंबी ड्यूटी, छुट्टियों की कमी, ऊपरी आदेशों का दबाव और समाज की नकारात्मक धारणा झ ये सभी कारण एक पुलिसकर्मी के मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा असर डालते हैं। चिंता की बात यह है कि आत्महत्या जैसे चरम कदम का सिलसिला अब पुलिस में आम होता जा रहा है। पहले चंडीगढ़, अब रोहतक – हर बार एक नई जगह से वही खबर आती है कि एक और वदीर्धारी ने अपनी जान दे दी। यह सवाल उठाना लाजमी है कि आखिर पुलिस विभाग में ऐसा माहौल क्यों बन रहा है जहाँ मनोबल इतना कमजोर पड़ रहा है कि जीवन ही बोझ लगने लगे।

कुछ लोगों का तर्क है कि इन घटनाओं के पीछे जातिवाद और राजनीति की भूमिका है। हरियाणा जैसे राज्य में, जहाँ जातीय समीकरण राजनीति से लेकर प्रशासन तक गहराई से जुड़े हुए हैं, यह संभावना पूरी तरह से नकारा नहीं जा सकती। किसी अधिकारी के साथ भेदभाव या दबाव, चाहे वह जातिगत हो या राजनीतिक, मानसिक रूप से तोड़ सकता है। यह वही आग है जो धीरे-धीरे पूरे सिस्टम को निगल रही है। हरित प्रदेश हरियाणा का सामाजिक ताना-बाना तभी सुरक्षित रहेगा, जब प्रशासन जातिवाद से ऊपर उठकर ईमानदार और निष्पक्ष कार्रवाई करेगा। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि शहीद कौन है – आईपीएस पूरन कुमार या एएसआई संदीप लाठर? दोनों ही अपने-अपने स्तर पर सिस्टम से लड़ते हुए हार गए। अगर कोई पुलिसकर्मी अपने अफसरों से न्याय की उम्मीद खो दे, तो वह किससे उम्मीद करेगा? जब ♯सेवा, सुरक्षा और सहयोग♯ का आदर्श वाक्य ही खोखला लगने लगे, तो यह न केवल संस्थागत विफलता है बल्कि मानवीय करुणा का भी अंत है। इस पूरे घटनाक्रम में मुख्यमंत्री नायब सैनी और डीजीपी ओपी सिंह की जिम्मेदारी बेहद अहम हो जाती है। उच्च स्तरीय जांच तो जरूरी है, लेकिन उससे भी ज्यादा जरूरी है एक ऐसा सिस्टम तैयार करना जो पुलिसकर्मियों के मानसिक स्वास्थ्य की रक्षा करे। जिला स्तर पर काउंसलिंग सत्र आयोजित किए जाने चाहिए ताकि कर्मचारी अपने तनाव, दबाव और व्यक्तिगत समस्याओं को साझा कर सकें। यदि किसी पुलिसकर्मी की मानसिक स्थिति अस्थिर पाई जाए तो उसे तुरंत मनोवैज्ञानिक सहायता दी जानी चाहिए और जब तक वह पूरी तरह सक्षम न हो, उसे सर्विस रिवॉल्वर न दिया जाए। यह सुझाव किसी सजा की तरह नहीं, बल्कि एक सुरक्षा कवच की तरह देखा जाना चाहिए। पुलिस की नौकरी आसान नहीं होती। हर दिन अपराधियों से सामना, समाज की उम्मीदें, और ऊपर से आदेशों की जटिलता झ इन सबके बीच इंसानियत को बचाए रखना कठिन है। अगर मानसिक स्थिरता को प्राथमिकता नहीं दी गई, तो ऐसी आत्महत्याओं की श्रृंखला आगे भी जारी रह सकती है। हरियाणा सरकार को यह भी समझना होगा कि पुलिस सिर्फ कानून लागू करने वाली एजेंसी नहीं, बल्कि समाज का आईना है। जब उसमें दरारें पड़ती हैं, तो समाज की छवि भी टूटती है। पुलिस के भीतर आपसी सहयोग, सम्मान और संवाद की संस्कृति को मजबूत करना बेहद आवश्यक है। अफसरों और अधीनस्थों के बीच संवाद की कमी ही सबसे बड़ा कारण बनती है मनोबल गिरने का।

राज्य के गृह मंत्रालय को चाहिए कि वह एक स्वतंत्र ♯पुलिस मानसिक स्वास्थ्य प्रकोष्ठ♯ स्थापित करे, जो केवल पुलिसकर्मियों की भावनात्मक और मानसिक स्थिति पर निगरानी रखे। साथ ही, विभाग के भीतर जवाबदेही तय हो कि कोई भी अफसर अपने अधीनस्थों पर अनावश्यक दबाव या अपमानजनक व्यवहार न करे। आज हरियाणा पुलिस एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है जहाँ उसे अपने अस्तित्व और आदर्श दोनों को बचाना है। यह समय आत्ममंथन का है – कि आखिर कहाँ गलती हुई, किस बिंदु पर वह ह्यसेवा और सुरक्षा से ह्यसंदेह और संदेहास्पद मौतों तक पहुँच गई। राजनीतिक हस्तक्षेप, जातिवादी खींचतान, मीडिया ट्रायल और सोशल मीडिया के दबाव ने पहले ही खाकी की गरिमा को कमजोर किया है। अब जरूरत है उस आत्मविश्वास को लौटाने की जो कभी हरियाणा पुलिस की पहचान हुआ करता था। सत्ता में बैठे लोगों को यह समझना होगा कि पुलिस केवल आदेश मानने वाली मशीन नहीं, बल्कि संवेदनशील मनुष्य हैं। जब तक उन्हें सम्मान, न्याय और सुरक्षा नहीं मिलेगी, तब तक कानून का शासन भी सुरक्षित नहीं रहेगा। आखिर में राहत साहब के शब्द इस पूरे घटनाक्रम का सटीक बयान करते हैं –

♯चरागों को उछाला जा रहा है,
हवा पर रौब डाला जा रहा है,
न हार अपनी, न अपनी जीत होगी,
मगर सिक्का उछाला जा रहा है।

हरियाणा पुलिस के लिए यह वक्त आत्ममंथन का है – एक तरफ व्यवस्था की सच्चाई है, दूसरी तरफ वदीर्धारियों की टूटती हिम्मत। अगर इस सच्चाई को स्वीकार कर सुधार के रास्ते नहीं खोले गए, तो यह सेवा, सुरक्षा, सहयोग नहीं बल्कि ह्यसंघर्ष, संदेह और आत्मघात की परंपरा बन जाएगी। हरियाणा को आत्मघाती पुलिस नहीं, आत्मसम्मान से भरी पुलिस की जरूरत है – ताकि लोग जब खाकी देखें, तो डर नहीं, भरोसा महसूस करें।

आम आदमी के लिए गंभीर चिंता और परेशानी बनती सोने चांदी की आसमान छूती कीमतें

-मनोज कुमार अग्रवाल

सोना आम आदमी की पहुंच से बाहर हो चला है एक साल के भीतर साठ फीसद दाम बढोत्तरी किसी भी दूसरी वस्तु में देखने को नहीं मिली है लेकिन इसके बावजूद सोने के दाम की दौड़ जारी है। यह कहां जाकर रुकेगा,इस बारे में अभी ताजा अनुमान डेढ़ लाख रुपए प्रति दस ग्राम का लगाया जा रहा है। सोना रोज बढ़ रहा है, जिन्होंने सोने में निवेश कर रखा है, वो तो बहुत ही खुश हैं लेकिन जो नहीं खरीद पाए, वो पछता रहे हैं। दरअसल सोने की कीमतों में एकतरफा तेजी देखने को मिल रही है। साल 2025 में ही सोना 60 फीसदी महंगा हो चुका है। ग्लोबल मार्केट में गोल्ड की कीमत $4000 प्रति औंस से ऊपर चली गई है।

अब एक्सपट्र्स कह रहे हैं कि सोने का इतना महंगा होना भी खतरे से खाली नहीं है। सोने की कीमतों में तेजी को केवल प्रॉफिट से जोड़ना सही नहीं होगा। इसके पीछे डर और अनिश्चितता भी है। एक्सपर्टस् का कहना है कि आज के दौर में सबसे ज्यादा सोना केंद्रीय बैंक, सॉवरेन फंड और संस्थागत निवेशक खरीद रहे हैं, वे सोना इस उम्मीद से नहीं खरीद रहे हैं कि मुनाफा देगा, बल्कि इसके जरिए वे अपने पोर्टफोलियो को सुरक्षा देना चाहते हैं। यानी सेफ्टी के लिए केंद्रीय बैंक भी सोने भी सोने की तरफ भाग रहे हैं। ऐसे में आप कह सकते हैं कि जब सरकारें रिकॉर्ड ऊंचाई पर सोना खरीदती हैं, तो वे मुनाफे के पीछे नहीं भागतीं। इसके पीछे गहरे राज छिपे होते हैं।

भारतीय जन जीवन में सोने के आभूषणों का चलन सदियों से चला आ रहा है। भारतीयों के लिए सोना निवेश का कोई सर्वमान्य समाधान नहीं है। सोना हमारे रीति, रिवाज और परंपराओं में रचा-बसा है। चाहे दीवाली-अक्षय तृतीया का पर्व हो, बेटी की विदाई का भावपूर्ण अवसर हो या बहू को शगुन में उपहार भेंट करने का शुभ मौका। जीवन में इन तमाम महत्वपूर्ण अवसरों पर हमारे संस्कार और खुशियां सोने के बिना पूर्ण नहीं होती हैं। ऐसे में त्यौहारों के मौके पर और त्योहारों के कुछ दिन बाद शुरू होने वाले शुभ-लग्न में सोने का महंगा होना बहुत परेशान करेगा। कुछ सट्टेबाजों, निवेशकों के लिए बेशक हर दिन महंगा होता सोना कमाई का मौका हो सकता है लेकिन आम भारतीयों के लिए यह गंभीर चिंता और परेशानी का कारण बन गया है। त्योहारों और शादियों का मौसम है। बेटी की शादी होनी है, तो आप कुछ सोने के आभूषण बनवाने की सोच रहे होंगे, लेकिन बजट अनुमति नहीं देता, क्योंकि सोना आम आदमी के बजट से बाहर होता जा रहा है। दरअसल 10 ग्राम सोने के दाम 1.25 लाख रुपये तक पहुंच चुके हैं और चांदी भी 1.5 लाख रुपये के पार चली गई है। आम आदमी बेटी को सोना कैसे दे पायेगा? वर्ल्ड गोल्ड कार्डोसल का मानना है कि सोने में अब भी उतना निवेश नहीं हो रहा, जितना होना चाहिए। वैश्विक निजी निवेश में सोने की हिस्सेदारी मात्र 1-2 फीसदी ही है, जबकि केंद्रीय बैंकों में सोने का रिजर्व 10-20 फीसदी के बीच रहा है। फिर भी यह दिलचस्प और हैरान करने वाला तथ्य है कि 2022 की दीपावली के बाद से सोने की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। विशेषज्ञों का आकलन है कि 2026 की दीपावली तक सोने के दाम और बढ़ सकते हैं, क्योंकि बड़े निवेशक और दुनिया भर के केंद्रीय बैंक सोने में लगातार निवेश कर रहे हैं। चीन का पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना सितंबर में लगातार 11 वें महीने सोने का शुद्ध खरीददार रहा है। यह डॉलर पर निर्भरता कम करने की चीन की रणनीति का हिस्सा है। 2025 में अभी तक घरेलू बाजार में सोने का रिटर्न करीब 60 फीसदी रहा है, जबकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में यह रिटर्न करीब 53 फीसदी रहा है। गोल्ड ईटीएफ में भी इस साल अभी तक 17 फीसदी निवेश बढ़ चुका है। सितंबर में गोल्ड इंटीएफ में 1.53 लाख करोड़ रुपये का निवेश हुआ, जोकि एक माह में सबसे अधिक है। मौजूदा दौर में सोना इतना महंगा और अनिवार्य हो गया है कि देशों की अर्थव्यवस्था की बुनियाद है, लेकिन आम आदमी के लिए मुसीबत, परेशानी का प्रतीक बन गया है। दरअसल सोने के दाम अमरीका से ही शुरू होते हैं, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय कारोबार डॉलर में ही होता है। जनवरी, 2025 में जब ट्रंप ने अमरीकी राष्ट्रपति पद की शपथ ली थी, तो सोना 2700 डॉलर प्रति आउंस था। उनके 8 माह के कार्यकाल में सोना महंगा ही होता गया है। राष्ट्रपति ट्रंप ने टैरिफ की बात शुरू की, तो देशों में अनिश्चितता फैलने लगी, नतीजतन सोना महंगा होता गया। देशों ने सोना खरीदना तेज किया, ताकि कमजोर होते डॉलर के विकल्प के रूप में सोने का भंडार हो। वैसे सोना पूर्व में भी महंगा और सस्ता होता आया है।

पिछले 5 वर्षों में सोने ने करीब 200% का रिटर्न दिया है, सोने की कीमत 5 साल में करीब-करीब तिगुनी हो गई है। जिसमें प्रति वर्ष औसतन 24% का CAGR (चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर) रहा है। यह इक्विटी जैसे निफ्टी 50 जैसे अन्य निवेशों की तुलना में अधिक रहा है। इस दौरान इक्विटी ने अधिकतम करीब 17% का सालाना रिटर्न दिया है। साल 2020 की शुरूआत में ?10 ग्राम सोने की कीमत करीब ?40,000 के आसपास थी, जो 2025 में ?1,25,000 प्रति 10 ग्राम से ऊपर पहुंच गई है।

आपको 1970-80 का दौर याद होगा , जब सोना कई गुना महंगा हो गया था और वित्तीय सलाहकारों ने सोना खरीदने की सलाह दी थी, लेकिन 1999 तक सोने के दाम अचानक ध्वस्त हुए, तो निवेश भी घटा। 1990-91 के दौर में भारत सरकार को सोना गिरवी रखना पड़ा था, ताकि सामान्य खर्च चलाए जा सकें। फिर उदारीकरण का दौर आया, सोना वापस ले लिया गया, भारत की अर्थव्यवस्था वैश्विक स्तर पर खुल गई। आज देश में सोने का भंडार बढ़ रहा है। रिजर्व बैंक के पास 880 मीट्रिक टन सोने का भंडार है। आरबीआई अपने फॉरेक्स एसेंट को अनुकूलित कर रहा है ताकि डॉलर का प्रभावी विकल्प मौजूद रहे। कई अन्य देशों के केन्द्रीय बैंक वही कर रहे हैं। ऐसा करना देशों की आर्थिक स्थिरता के लिए जरूरी हो सकता है, लेकिन यही बात आम आदमी के लिए बड़ा संकट बन गयी है। शादी-ब्याह में अब सोने का उपहार देना आम आदमी के बहुत कठिन हो गया है, लेकिन फिर भी हमारे रीति-रिवाज और संस्कार ऐसे हैं कि महंगे सोने को भी खरीदना पड़ेगा क्योंकि परंपराओं को निभाना भी जरूरी है। उधर जानकार लोगों का मानना है कि महंगाई के बावजूद सोना चलन में रहेगा हालांकि अधिक महंगाई के साथ ही मिलावट का भी सिलसिला बढेगा। फिर भी आम आदमी सोने को खरीद पाएगा इसमे शंका ही है। (विनायक फीचर्स)

लद्दाख राजनीति नहीं, राष्ट्रनीति का विषय

विज्ञान, शिक्षा और पर्यावरण के क्षेत्र में नवाचार के लिए दुनिया में सम्मानित सोनम वांगचुक की राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एन.एस.ए.) में गिरफ्तारी पर तो सर्वोच्च न्यायालय सुनवाई करेगा ही, लेकिन प्राकृतिक सौंदर्य के लिए चर्चित और रणनीतिक रूप से संवेदनशील लद्दाख की अशांति गंभीर चिंता का विषय है। वांगचुक अपने ही देश में नायक से खलनायक बन गए हैं। 2009 की लोकप्रिय फिल्म ह्यथ्री ईडियट्सह्न उन्हीं से प्रेरित थी। लद्दाख को राज्य का दर्जा और संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग को लेकर 5 साल से जारी आंदोलन में 24 सितंबर को भड़की हिंसा के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए 2 दिन बाद गिरफ्तार कर वांगचुक को जोधपुर जेल भेज दिया गया।

एक के बाद एक हमारे सीमावर्ती क्षेत्र अशांति के शिकार हो रहे हैं। यह राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरनाक है। असंतोष देर-सवेर अलगाव की भावना का कारण बनता है या निहित स्वार्थी तत्वों द्वारा बना दिया जाता है। 1947 में विभाजन के साथ मिली आजादी के बाद पाकिस्तानी कबाइलियों ने घुसपैठ की साजिश लद्दाख की ओर से ही रची थी। भारतीय सेना ने पाक घुसपैठियों को खदेड़ कर द्रास, कारगिल और लद्दाख को मुक्त कराया था। चीन ने भी 1949 में नुब्रा घाटी और शिनजियांग के पुराने व्यापारिक मार्ग को बंद कर 1955 में शिनजियांग और तिब्बत को जोड? के लिए सड़क निर्माण शुरू किया। बाद में चीन ने पाकिस्तान के लिए कराकोरम हाईवे भी बनाया। जलवायु संरक्षण के लिए अपरिहार्य लेह-लद्दाख भारत की सुरक्षा के लिए भी संवेदनशील और महत्वपूर्ण है। टैरिफ वॉर पर अमरीका से तनातनी के बीच चीन से फिर पींगें बढ़ाने की कूटनीति में उसके विश्वासघाती चरित्र को भुला देना आत्मघाती हो सकता है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी चीन पूरी तरह पाकिस्तान के साथ यानी भारत के विरुद्ध खड़ा था। पर्यटन पर निर्भर आजीविका वाले लद्दाखी मेहमाननवाजी से ले कर राष्ट्रभक्ति तक तमाम सकारात्मक चीजों के लिए जाने जाते हैं। वे पर्यावरण के संरक्षण के लिए सम ?पत और निरंतर प्रयासरत भी हैं। हाल के दशकों में लद्दाख में विज्ञान, शिक्षा और पर्यावरण के क्षेत्र में तमाम नवाचार के नायक सोनम वांगचुक रहे हैं। उन्होंने सेना के लिए माइनस डिग्री तापमान में आराम से रहने-सोने के लिए विशेष टैंट बनाए, तो जल संरक्षण के लिए कृत्रिम ग्लेशियर का प्रयोग भी किया। इधर विदेशी पुरस्कारों-सम्मानों को भारत विरोधी साजिशों से जोड़ कर देखने-दिखाने की प्रवृत्ति बढ़ी है लेकिन अगर खुलासे किसी आंदोलन-अनशन के बाद किए जाएं तो उनकी विश्वसनीयता पर सवालिया निशान लगते हैं। 2019 में जब नरेंद्र मोदी सरकार ने विशेष दर्जा देने वाली धारा-370 हटाते हुए जम्मू-कश्मीर को दो केंद्रशासित क्षेत्रों- जम्मू-कश्मीर तथा लद्दाख में विभाजित किया, तब वहां से समर्थन में उठने वाली (भाजपा के अलावा) सबसे मुखर आवाज सोनम वांगचुक की ही थी। शायद इसलिए भी कि जम्मू-कश्मीर की सत्ता-राजनीति में लद्दाख की आवाज अक्सर अनसुनी ही रही।

पंजाब में बेअदबी की घटनाएं और अलगाववाद

7 अक्तूबर, 2025 को, मंजीत सिंह उर्फ बिल्ला ने जम्मू और कश्मीर के सांबा जिले के कौलपुर गांव में गुरुद्वारा सिंह सभा में श्री गुरु ग्रंथ साहिब के एक स्वरूप को कथित तौर पर आग लगाने का प्रयास किया। पुलिस ने अगले दिन उसे गिरफ्तार कर लिया लेकिन गुस्साए स्थानीय सिखों ने उसके घर को जलाकर और ध्वस्त करके जवाबी कार्रवाई की। अकाल तख्त के जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गडगज्ज ने घटनास्थल का दौरा करने के बाद सभी गुरुद्वारा पदाधिकारियों और प्रबंधन समिति के सदस्यों पर आजीवन प्रतिबंध लगा दिया और दो अतिरिक्त कथित अपराधियों की गिरफ्तारी की मांग की।

भारत और विदेशों में सिख अलगाववादी समूहों द्वारा सांप्रदायिक तनाव भड़काने और खालिस्तानी एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए बेअदबी की अवधारणा का तेजी से फायदा उठाया जा रहा है। कौलपुर की घटना उसी पैटर्न का अनुसरण करती है, जो 2015 में पंजाब के फरीदकोट में बरगाड़ी बेअदबी मामले से शुरू हुआ था, जहां श्री गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी के बाद बहबल कलां में पुलिस की गोलीबारी में 2 प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई थी। इसके बाद बेअदबी के मामलों की बाढ़ आ गई। 2015 के बाद से, बरगाड़ी मामले के 2 दर्जन से ज्यादा आरोपियों में से 4 विदेश में खालिस्तानी समर्थक समूहों या उनसे जुड़े गैंगस्टरों द्वारा लक्षित हमलों में मारे जा चुके हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े पंजाब में बेअदबी की लगातार जारी समस्या को रेखांकित करते हैं। 2018 और 2023 के बीच, पंजाब में भारतीय दंड संहिता की धारा 295-297 के तहत सबसे अधिक अपराध दर दर्ज की गई, जिसमें 2018 में 202 मामले, 2019 में 180, 2020 में 165, 2021 में 189, 2022 में 205 और 2023 में 194 मामले दर्ज किए गए।

जवाब में, पंजाब विधानसभा ने 15 जुलाई, 2025 को पवित्र धर्मग्रंथों के विरुद्ध पंजाब अपराधों की रोकथाम विधेयक, 2025 पारित किया, जिसमें बेअदबी के लिए 10 साल से लेकर आजीवन कारावास तक की सजा का प्रस्ताव रखा गया। हितधारकों से परामर्श करने और 6 महीने के भीतर रिपोर्ट देने के लिए 15 सदस्यीय समिति का गठन किया गया। बेअदबी के मामलों में अपर्याप्त प्रतिक्रिया के लिए पंजाब की एक के बाद एक सरकारों को आलोचना का सामना करना पड़ा है। कई जांचें अधूरी रह गई हैं, जिनमें आरोपियों को मानसिक रूप से विक्षिप्त करार देकर जानबूझकर जांच को कमजोर करने के आरोप लगे हैं। कई मामलों में, भीड़ या आपराधिक गिरोहों ने मुकदमे से पहले ही अभियुक्तों की हत्या कर दी। ऐसे कृत्यों को अक्सर तत्काल न्याय कहकर उचित ठहराया जाता है और कभी-कभी गुरुद्वारों या पंथक संगठनों द्वारा अपराधियों को सम्मानित किया जाता है, जिससे यह चक्र और भी मजबूत होता है।

कट्टरपंथी राजनीतिक समूहों ने अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए इन घटनाओं का फायदा उठाया है। बेअंत सिंह (पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के हत्यारे) के बेटे सरबजीत सिंह ने पिछले आम चुनाव में 2015 के बेअदबी मामले पर अपना अभियान केंद्रित करके, न्याय में देरी से जनता की निराशा का फायदा उठाकर फरीदकोट संसदीय सीट जीती थी। खालिस्तान समर्थक गुट बेअदबी की घटनाओं का इस्तेमाल हिदू आधिपत्य के तहत सिखों के पीड़ित होने का आख्यान प्रचारित करने के लिए करते हैं। ये समूह, ऐसे कृत्यों को भारतीय राज्य द्वारा सिख धर्म को कमजोर करने के जानबूझकर किए गए प्रयासों के रूप में चित्रित करते हैं। यह बयानबाजी, जो 1980 के दशक के खालिस्तानी विद्रोह की याद दिलाती है, डिजिटल प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल घेराबंदी की मानसिकता को बढ़ाने के लिए करती है, हर बेअदबी के मामले को प्रतिद्वंद्वी समुदायों या राज्य की साजिश के रूप में पेश करती है।

इस तरह के आख्यान विशेष रूप से सिख प्रवासी समुदाय के एक हिस्से के साथ गूंजते हैं, जो अपनी भौगोलिक दूरी के बावजूद इन घटनाओं से भावनात्मक रूप से जुड़े रहते हैं। इससे उत्पन्न आक्रोश बाहर विरोध प्रदर्शन और विदेशी सरकारों की पैरवी करने के प्रयासों को बढ़ावा देता है, अक्सर बिना सत्यापित तथ्यों के। खुद को सिख धर्म के रक्षक के रूप में पेश करने वाले खालिस्तानी प्रवासी समूह अक्सर विदेशों में सिखों के खिलाफ भेदभाव या पाकिस्तान जैसे देशों में सिख अल्पसंख्यकों के जबरन धर्मांतरण जैसे व्यापक मुद्दों की अनदेखी करते हैं। उनका ध्यान भारत-विरोधी आख्यान पर रहता है, धार्मिक स्वतंत्रता के वैश्विक उल्लंघनों को दरकिनार करते हुए, जैसे कि हाल ही में अमरीकी सेना द्वारा दाढ़ी रखने पर प्रतिबंध।

सिख पहचान से छेड़छाड़ करने और सांप्रदायिक तनाव भड़काने के लिए बेअदबी की घटनाओं का फायदा उठाना बाहरी रणनीतियों, खासकर पाकिस्तान की ह्यभारत को हजार घाव देकर खून बहान की नीति से मेल खाता है। इसका मुकाबला करने के लिए पंजाब के राज्य संस्थानों को सक्रिय कार्रवाई, पारदर्शी जांच और त्वरित न्याय को प्राथमिकता देनी चाहिए, ताकि निगरानी हिंसा और अलगाववादी दुष्प्रचार को रोका जा सके। हर बेअदबी मामले में विभाजनकारी आख्यानों को ध्वस्त करने और क्षेत्र को स्थिर करने के लिए कठोर, साक्ष्य-आधारित जांच की आवश्यकता होती है।-निजीश एन

जिला परिषद पालघर में मनाई गई भारत रत्न डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम की जयंती

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। भारत के पूर्व राष्ट्रपति, महान वैज्ञानिक और भारत रत्न सम्मान से अलंकृत डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम की जयंती बुधवार 15 अक्टूबर को जिला परिषद पालघर में श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने डॉ. कलाम के छायाचित्र पर पुष्पहार अर्पित कर उन्हें नमन किया। कार्यक्रम में अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवींद्र शिंदे, प्रकल्प संचालिका (जिला ग्रामीण विकास यंत्रणा) डॉ. रूपाली सातपुते, उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी (सामान्य) इजाज अहमद शरीक मसलात, उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी (पंचायत) अशोक पाटील, जिला आरोग्य अधिकारी डॉ. संतोष चौधरी, जिला कृषि विकास अधिकारी सोमनाथ पिंजारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम का जन्म 15 अक्टूबर 1931 को तमिलनाडु के रामेश्वरम में हुआ था। उन्हें ‘मिसाइल मैन ऑफ इंडिया’ के नाम से जाना जाता है। देश के रक्षा अनुसंधान और अंतरिक्ष कार्यक्रमों में उनका योगदान अतुलनीय रहा है। विज्ञान के प्रति उनका समर्पण, शिक्षा के प्रति लगाव और युवाओं को प्रेरित करने वाले उनके विचार आज भी सभी के लिए मार्गदर्शक हैं। कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने डॉ. कलाम के आदर्शों और विचारों पर चलने का संकल्प लिया।

सिटेल बाय अरविंद ने पेश की ह्यनियोस व्यू सीरीज

मुंबई। सिटेल बाय अरविंद ने नियोस व्यू सीरीज नामक नई सीसीटीवी कैमरा श्रेणी सादर की है। यह अत्याधुनिक, स्मार्ट और किफायती एचडी सीसीटीवी सिस्टम्स की श्रृंखला है, जिसका उद्देश्य बुद्धिमान निगरानी को सभी के लिए सुलभ बनाना है। सिटेल बाय अरविंद, अरविंद लिमिटेड की सहायक कंपनी है, जो एंटरप्राइज कम्युनिकेशन, एवी इंटीग्रेशन, आईटी नेटवर्किंग, सुरक्षा और निगरानी समाधान के क्षेत्र में अग्रणी है।

सिटेल बाय अरविंद के पास तीन दशकों का औद्योगिक अनुभव है, जिस पर आधारित होकर यह श्रृंखला तैयार की गई है। यह उच्च गुणवत्ता (हाई डेफिनिशन) रिकॉर्डिंग, निरंतर रंगीन इमेजिंग और स्मार्ट मॉनिटरिंग सुविधाएं प्रदान करती है। घरों, दफ्तरों, स्कूलों, हॉस्टलों, होटलों, अस्पतालों, निर्माण केंद्रों और खुदरा प्रतिष्ठानों के लिए यह श्रृंखला अत्यंत उपयोगी है। व्यापक और बुद्धिमान निगरानी सुनिश्चित करने के लिए नियोस व्यू सीरीज में उन्नत तकनीकी फीचर्स शामिल किए गए हैं। इसके डीवीआर यूनिट्स में ५ एमपी एचडी रिकॉर्डिंग, आईपी कैमरा संगतता, पैन टिल्ट कंट्रोल और २ ७ ८ टीबी एचडीडी स्टोरेज की सुविधा उपलब्ध है। साथ ही, मोबाइल के माध्यम से कहीं से भी लाइव मॉनिटरिंग की जा सकती है। इस श्रृंखला के बुलेट (आउटडोर) और डोम (इनडोर) कैमरे रंगीन इमेजिंग, मोशन अलर्ट, इनबिल्ट ऑडियो और आयआर एलईडी व २/४ डब्ल्यूएल लाइट तकनीक पर आधारित उन्नत नाइट विजन प्रदान करते हैं। इस कारण किसी भी प्रकाश में स्पष्ट दृश्य प्राप्त होता है। इसके अतिरिक्त, इस श्रृंखला में कॉम्पैक्ट पैन-टिल्ट और फिशआई कैमरे भी शामिल हैं, जो ३६० डिग्री व्यू प्रदान कर व्यापक कवरेज और न्यूनतम ब्लाइंड स्पॉट सुनिश्चित करते हैं। इससे सुरक्षा की दक्षता और बढ़ती है।

डाबर रियल जूस ने 'रियल ग्रीटिंग्स दिवाली गिफ्ट पैक्स' की एक विस्तृत श्रृंखला लॉन्च की

मुंबई/पटना। जैसे-जैसे रोशनी का त्योहार दिवाली नजदीक आ रहा है, भारत के प्रमुख जूस ब्रांड, डाबर इंडिया लिमिटेड के रियल फ्रूट जूस ने 'रियल ग्रीटिंग्स दिवाली गिफ्ट पैक्स' की एक बड़ी रेंज लॉन्च करने की घोषणा की है। रियल के ये खास गिफ्ट पैक बजट के अनुकूल हैं और इनकी कीमत 93 से लेकर 506 के बीच है। इनका उद्देश्य फलों की अच्छाई के साथ 'स्वस्थ त्योहारी शुभकामनाएं' देना है, जो स्वास्थ्य और खुशी के प्रति ब्रांड की प्रतिबद्धता को दिखाता है। डाबर इंडिया लिमिटेड के वाइस प्रेसिडेंट (मार्केटिंग) श्री मयंक कुमार ने कहा, दिवाली साल का सबसे बड़ा त्योहार है जब परिवार और दोस्त एक साथ मिलकर जश्न मनाते हैं। दिवाली के दौरान उपहारों का आदान-प्रदान सबसे पसंदीदा परंपरा है। त्योहार पर शुभकामनाओं के आदान-प्रदान के लिए फलों को एक स्वस्थ विकल्प देने के लिए, हमने रियल फ्रूट बेवरेजेज के 19 विशेष रूप से डिज़ाइन किए गए 'रियल ग्रीटिंग्स दिवाली गिफ्ट पैक्स' लॉन्च किए हैं। फलों की असली अच्छाई से भरपूर, ये गिफ्ट पैक स्वाद और पोषण का बेहतरीन मेल प्रदान करते हैं। इन गिफ्ट पैक्स के जरिए, हम उपभोक्ताओं को इस त्योहारी सीजन में अपने प्रियजनों को अच्छे स्वास्थ्य की शुभकामनाएं देने का एक माध्यम दे रहे हैं। हमें विश्वास है कि लोग इन गिफ्ट पैक्स को पसंद करेंगे और एक स्वस्थ और खुशहाल दिवाली मनाने के लिए इनका आदान-प्रदान करेंगे।

तनिष्क का नया 'मृगांका' - फेस्टिव कलेक्शन जो आपको दिव्य दुनिया की सफर करवाता है

मुंबई/पटना। भारत का सबसे बड़ा ज्वेलरी रिटेल ब्रांड और टाटा समूह का एक हिस्सा, तनिष्क ने त्योहारों के सीजन के लिए, प्रस्तुत किया है आकर्षक कलेक्शन 'मृगांका', जो पौराणिक और कल्पनाशील दुनिया से प्रेरित है, जहाँ तैरते महल, दिव्य उद्यान और अलौकिक जीव सोने में साकार होते हैं। कहानी कहने की कला और सुंदरता बढ़ाने के लिए प्रतीकों का उपयोग भारत में सदियों से मशहूर है, मृगांका का हर आभूषण उन्ही से प्रेरित होकर त्यौहार की भावना को सम्मानित करता है। साहसी, कल्पनाशील और आश्चर्यजनक रूप से अलौकिक - मृगांका की इस भावना को मूर्त रूप देने के लिए तनिष्क ने पूर्व मिस वर्ल्ड और एक्टर मानुषी छिल्लर को चुना है।

तनिष्क का विचार एक ऐसी दृश्य दुनिया बनाने का था, जो ट्रेंड्स से परे हो, जहाँ हर तत्व, चाहे वह एक रहस्यमयी श्रीडी पक्षी हो या एक शानदार महल, आश्चर्य और उपस्थिति का एहसास जगाएगा। पौराणिक जीवों और काल्पनिक फूलों से प्रेरित, मृगांका को कल्पना की तरह शानदार और सपनों की तरह भव्य बनाया गया है। स्टोन-ऑन-स्टोन जड़ाऊ, बाडरूम, चांदक, रस रवा और जटिल जाली परतों जैसी उन्नत तकनीकों का उपयोग करके तैयार किए गए इस कलेक्शन में रंगीन कुंदन, मीनाकारी और थ्रीडी मोटिफ का खूबसूरत मिलाप है। हर आभूषण एक द्वार है, जो पहनने वाले को मृगांका की काल्पनिक दुनिया में ले जाता है, जहां मिथक और कलात्मकता एक दूसरे से जुड़े हुए हैं।

महेश गायकवाड़ का संकल्प युवाओं को मिले रोजगार

कल्याण (उत्तरशक्ति)। युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मातोश्री गुंजाई फाउंडेशन और नवजीवन लोकविकास संस्था के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया भव्य रोजगार मेला सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस मेले में 50 से अधिक नामांकित कंपनियों ने भाग लिया था। यह रोजगार मेला तिसाई मैरेज हॉल, कल्याण (पूर्व) में आयोजित किया गया था। आईटी, नॉन-आईटी, बैंकिंग, अकाउंटिंग, रिटेल, इंश्योरेंस और बीपीओ क्षेत्र की विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियों ने जरूरत मंद विद्यार्थियों को पर्याप्त रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए। इस अवसर पर आयोजक संस्था के संस्थापक/अध्यक्ष महेश द. गायकवाड़ ने उपस्थित विद्यार्थियों को मार्गदर्शन करते हुए कहा कि,

युवा पीढ़ी यदि सही तैयारी और आत्मविश्वास के साथ अवसरों का लाभ उठाए तो उनके सामने रोजगार के अनेक द्वार खुल सकते हैं। उनके मार्गदर्शन से उपस्थित उम्मीदवारों में आत्मविश्वास की लहर दौड़ गई। रोजगार मेले को युवाओं की ओर से उत्साहपूर्ण प्रतिसाद मिला। कई उम्मीदवारों का विभिन्न कंपनियों में चयन हुआ और उनके चेहरों पर संतोष झलक रहा था।

इस पहल की स्थानीय स्तर पर भी प्रशंसा की गई। इस अवसर पर सारिका महेश गायकवाड़ ने भी सभी उम्मीदवारों को बधाई देते हुए कहा कि, ऐसे अवसरों का लाभ अवश्य उठाना चाहिए। मेले में नवजीवन संस्था के डायरेक्टर किशोर पाटिल ने महेश गायकवाड़ को कर्मयोगी पुरस्कार देकर उनके कार्य का सम्मान किया।

मेले की सफलता के लिए सुजाता शिंदे, हेमलता चौधरी, सुमेध हुमणे, शिवदास गायकवाड़, पल्लवी ब्रीद, तथा विशेष सहयोग प्रशांत बोटे, शंकर पाटिल आदि का मोलिक योगदान रहा।

लव जिहाद के मामले का पर्दाफाश

पालघर(उत्तरशक्ति)। भावनगर (गुजरात) से एक नाबालिग हिंदू बालिका को बहला-फुसलाकर भगाने का मामला सामने आया है। सूचना मिलते ही राष्ट्रीय हिंदू सेवा संघ के पदाधिकारियों ने तत्परता दिखाते हुए बालिका की सकुशल घर वापसी सुनिश्चित की। संघ के गौ सेवा प्रमुख पालघर लालाभाई भरवाड़ को जानकारी मिली कि एक गैर हिंदू युवक उक्त बालिका को लेकर महाराष्ट्र के नंदुरबार की ओर जा रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए उन्होंने तत्काल पालघर जिला अध्यक्ष लक्ष्मण बेडादे से संपर्क किया। बेडादे के निर्देश पर संगठन की पूरी टीम सक्रिय हो गई। रेलवे पुलिस, आरपीएफ व स्थानीय प्रशासन के सहयोग से संयुक्त कार्रवाई की गई। कल्याण रेलवे स्टेशन पर सतर्कता बरतते हुए दोनों को पकड़ लिया गया। इस अभियान में रेलवे के सेवानिवृत्त अधिकारी एस. एन. गुज्जर, आरपीएफ इंस्पेक्टर वसंत राय तथा कल्याण रेलवे अधिकारी दल का विशेष योगदान रहा। संघ के जिला अध्यक्ष लक्ष्मण बेडादे ने सभी अधिकारियों और सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ह्यह संगठन के लिए गर्व का क्षण है कि समय रहते एक नाबालिग बिटिया को गलत रास्ते पर जाने से बचाया गया।ह्व इस सफलता पर राष्ट्रीय हिंदू सेवा संघ के सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन समाज की सुरक्षा एवं जागरूकता के लिए निरंतर कार्य करता रहेगा।

गुंडों ने किया रिक्सा चालक की पिटाई, जख्मी रिक्सा चालक का इलाज जारी

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण पूर्व के काटेमानिवली नाका परिसर में तीन अज्ञात लोगों द्वारा एक रिक्शा चालक की पिटाई किए जाने की वारदात सामने आई है, 58 वर्षीय घायल रिक्शा चालक दीपक कार्लेकर की शिकायत पर कोलसेवाड़ी पुलिस ने तीन अज्ञात आरोपियों पर मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार बीती 13 तारीख की देर रात 11:30 बजे रिक्शा चालक दीपक कार्लेकर काटेमानेवली से चिंचपाड़ा की दिशा में जा रहे थे। आरोपी भी बाइकसवार युवक काटेमानिवली नाका की तरफ जा जा रहे थे। ट्रैफिक होने के कारण बाइकसवार युवकों को रास्ता नहीं मिलने से रिक्सा को कट मारकर निकल रहे थे ,अचानक गड़ी से गिर गए । इसी बात से नाराज आरोपियों ने रिक्शा

चालक पर हमला कर दिया गया । इस हमले में हाँथ और एक पैर फैक्चर कर दिया गया आरोपी इतने से नही माने गंदी-गंदी गालियां देने के बाद उन्होंने रिक्शा चालक दीपक की पिटाई कर दी। रिक्शा से बाहर खिंचकर उन्हें लात-घूंसों से बुरी तरह पीटा। मारपीट करने के बाद उन्हें तबेले में ढकेल दिया। घायल अवस्था में दीपक को महारल के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं कोलसेवाड़ी पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है।

मराठवाड़ा के छात्रों के लिए मनसे विद्यार्थी सेना का एक हाथ मदद का उपक्रम

मुंबई (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र नवनिर्माण विद्यार्थी सेना के अध्यक्ष अमित ठाकरे के मार्गदर्शन में, ईशान्य मुंबई मनसे विद्यार्थी सेना द्वारा एक हाथ मदद का अभियान के अंतर्गत मराठवाड़ा के दुर्गम क्षेत्रों में स्थित छात्रों को शैक्षणिक सामग्री वितरित की गई। इस अभियान के तहत सोनारी और कोडगांव स्थित जिला परिषद स्कूलों के लगभग 1000 विद्यार्थियों को नोटबुक वितरित की गई। इस उपक्रम का नेतृत्व महाराष्ट्र नवनिर्माण विद्यार्थी सेना के राज्य सचिव प्रमोद मांढरे ने किया।

प्रमोद मांढरे ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों के अनेक छात्र आर्थिक तंगी के कारण आवश्यक शैक्षणिक सामग्री से वंचित रह जाते हैं। शिक्षा हर बच्चे का जन्मसिद्ध अधिकार है और उन्हें शिक्षित करना हमारी सामाजिक जिम्मेदारी है। इसी भावना से एक हाथ मदद का यह उपक्रम शुरू किया गया। नोटबुक वितरण के दौरान छात्रों के चेहरों पर खुशी और कृतज्ञता के भाव दिखाई दे रहे थे। शिक्षकों ने

विद्यार्थियों को नोटबुक का वितरण

इस सामाजिक पहल की सराहना करते हुए मनसे विद्यार्थी सेना का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर मनसे विद्यार्थी सेना के पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे। उन्होंने छात्रों से बातचीत कर उन्हें शिक्षा का महत्व समझाया और प्रेरणादायक संदेश दिया – बनाओ अपना भविष्य, मनसे विद्यार्थी सेना तुम्हारे साथ है। इस उपक्रम के माध्यम से मराठवाड़ा के ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा के प्रति जागरूकता फैली है और विद्यार्थियों में नए जोश के साथ पढ़ाई की प्रेरणा उत्पन्न हुई है।

श्री आदेश्वर जैन चैरिटेबल ट्रस्ट ने डायलिसिस रोगियों को उपहार दिया

मुंबई (उत्तरशक्ति)। श्री आदेश्वर जैन चैरिटेबल ट्रस्ट ने महाप्रज्ञ पब्लिक स्कूल, कालबादेवी, मुंबई में किडनी डायलिसिस रोगियों के लिए एक मेगा दिवाली किराना वितरण शिविर का आयोजन कर उनके जीवन में खुशियां बिखेरी।

ट्रस्ट ने इन किडनी रोगियों को स्थायी रूप से गोद लिया है और पिछले 6 वर्षों से उन्हें आवश्यक मासिक किराना किट प्रदान कर रहा है। दिवाली के अवसर पर, लगभग 40 विभिन्न वस्तुओं से युक्त विशेष किट वितरित की गईं। शिविर के दौरान, एचएन रिलायंस फाउंडेशन अस्पताल के ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. दर्शित शाह, डॉ. विशाल कडवे और डॉ. शैली ने रोगियों से बातचीत की और उन्हें उनके स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों पर मार्गदर्शन दिया।

इस कार्यक्रम में गणपतजी डागलिया और लक्ष्मीलाल डागलिया (न्यासी, महाप्रज्ञ विद्या निधि फाउंडेशन), जगदीश पुरोहित (आदर्श होटल समूह के प्रमुख), राजेश विक्रांत (वरिष्ठ पत्रकार व साहित्यकार) तथा समाजसेवी गणपत कोठारी उपस्थित थे। आयोजक टीम में ट्रस्टी सीए प्रवीण जैन, चेतन पोरवाल, हितेश जैन, सीए तरुण जैन, देवेंद्र खीमावत, पिनेश राठौड़, पुष्पत जैन और अन्य समर्पित सदस्य शामिल थे। प्रत्येक वितरण किट में गेहूँ, चावल, सूजी, चीनी, चना, आटा, मिश्रित सूखे मेवे, दालें (जैसे चना, अरहर, मसूर, मूंग, उड़द), फरसाण, बिस्कुट, चॉकलेट, एफएमसीजी उत्पाद, चादरें, टूथपेस्ट, ब्रश, दीये, दवाइयाँ, और लड्डू व थोर जैसी मिठाइयाँ, तथा कई अन्य घरेलू सामान शामिल थे।

चेंबूर में के एंड के लीगल एसोसिएट्स एलएलपी फर्म का भव्य उद्घाटन संपन्न

मुंबई (उत्तरशक्ति)। न्याय की तलाश में भटकने वाले आम नागरिकों को कानूनी सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से चेंबूर के कलेक्टर कॉलोनी क्षेत्र में के एंड के लीगल एसोसिएट्स एलएलपी फर्म की स्थापना की गई है। यह फर्म कानून के विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों – युवा वकील, सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी, इनकम टैक्स / जीएसटी / कस्टम्स विशेषज्ञ और प्रशासनिक क्षेत्र का अनुभव रखने वाले अधिकारियों – के संयुक्त प्रयास से शुरू की गई है। इस फर्म का शुभारंभ सर्वोच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता रवि अडसुरे के प्रमुख अतिथि रूप में तथा महाराष्ट्र राज्य सहकारी गृहनिर्माण एवं अपार्टमेंट फेडरेशन के विशेषज्ञ संचालक और अधिवक्ता श्रीप्रसाद परब के विशेष अतिथि रूप में संपन्न हुआ। समाजसेवक एवं विकासक प्रविण तलरेजा और चंदन तलरेजा के मार्गदर्शन में स्थापित इस फर्म में भागीदार के रूप में अधिवक्ता करण तलरेजा और अधिवक्ता करीना तलरेजा कार्यरत रहेंगे। फर्म की टीम में सहकार क्षेत्र के अनुभवी और सेवानिवृत्त अधिकारी डॉ. ज्ञानेश्वर

डोंगरे, जीएसटी एवं सीमाशुल्क के मुख्य सलाहकार सुभाष बर्षणे, फौजदारी कानून विशेषज्ञ एवं पूर्व पुलिस अधिकारी अधिवक्ता मुरलीधर कर्पे, सेवानिवृत्त सह-निबंधक (सहकारी संस्था) नरेंद्र निकम और स्थापत्य विशेषज्ञ प्रकाश मिरचंदानी भी शामिल हैं। उद्घाटन समारोह में बोलते हुए अधिवक्ता रवि अडसुरे ने कहा कि न्यायालयों में कई मामले वर्षों तक लंबित रहते हैं। ऐसे में, मध्यस्थता और काउंसलिंग के माध्यम से न्यायालय में जाने से पहले के एंड के लीगल एसोसिएट्स एलएलपी जैसी फर्मों का सहयोग लेना नागरिकों के लिए अधिक उपयोगी साबित हो सकता है। उन्होंने सुझाव दिया कि फर्म के माध्यम से पीड़ित महिलाओं को कानूनी सहायता निशुल्क उपलब्ध कराई जाए, जिससे सामाजिक जिम्मेदारी भी निभाई जा सके।

अधिवक्ता श्रीप्रसाद परब ने अपने भाषण में कहा कि वर्तमान समय में मुंबई में री-डेवलपमेंट (पुनर्विकास) के चलते रियल एस्टेट क्षेत्र में कानूनी सेवाओं की भारी आवश्यकता है। के एंड के लीगल एसोसिएट्स एलएलपी इस दिशा में उत्कृष्ट कार्य कर सकती है और युवाओं के लिए यह एक सुनहरा अवसर है।

इस अवसर पर सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी श्री हरनाम सिंह ने भी मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम में मा. जिला उपनिबंधक दीपक खांडेकर, अधिवक्ता सिद्धेश बिरादार, उद्योगपति मकसूद बेग सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

हरदिया फाउंडेशन द्वारा देहदान-अंगदान जनजागृति अभियान को बढ़ावा

पालघर(उत्तरशक्ति)। पालघर जिले में सामाजिक जागरूकता की दिशा में एक सराहनीय पहल करते हुए हरदिया फाउंडेशन के संस्थापक डॉ. राजेश हरिनाथ यादव एवं उनकी टीम ने सोमवार को जिलाधिकारी डॉ. इन्दुरानी जाखड़ से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान फाउंडेशन की ओर से पालघर जिले के नागरिकों को देहदान व अंगदान के लिए प्रेरित करने हेतु व्यापक जनजागृति और प्रबोधन अभियान चलाने का प्रस्ताव जिलाधिकारी को सौंपा गया।

डॉ. यादव ने बताया कि संस्था का उद्देश्य लोगों में अंगदान और देहदान के प्रति सकारात्मक सोच विकसित कर पालघर जिले को देश में इस महान कार्य में अग्रणी बनाना है। उन्होंने कहा कि यदि हर व्यक्ति

इस दिशा में जागरूक हो, तो अनेक जीवन बचाए जा सकते हैं और समाज में मानवता की मिसाल कायम की जा सकती है। इस अवसर पर जिलाधिकारी डॉ. इन्दुरानी जाखड़ ने हरदिया फाउंडेशन की पहल की भूरी-भूरी प्रशंसा की और इस जनहितकारी अभियान में प्रशासन की ओर से पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया। उन्होंने संस्था के कार्यों को समाज के लिए प्रेरणास्रोत बताते हुए सभी सदस्यों का उत्साहवर्धन किया। इस मौके पर फाउंडेशन के कई पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे, जिन्होंने देहदान-अंगदान जैसे पुण्य कार्य को घर-घर तक पहुँचाने का संकल्प लिया।

डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम जयंती पर रीडिंग, क्विज व हैंड वॉशिंग डे कार्यक्रम आयोजित

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम की जयंती के उपलक्ष्य में बुधवार 15 अक्टूबर 2025 को जिला परिषद प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालय कालीधोंड में बुधवार को एक विशेष रीडिंग, क्विज एवं हैंड वॉशिंग डे कार्यक्रम बड़े उत्साह व सहभागिता के साथ आयोजित किया गया।

यह कार्यक्रम निपुण पालघर अभियान के तहत जून से प्रारंभ हुए पाँच महीने के रीडिंग प्रोग्राम का समापन दिवस था। इस अवसर पर छात्रों में पढ़ने, लिखने और गणितीय गतिविधियों के प्रति रुचि बढ़ाने के उद्देश्य से विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित क्विज प्रतियोगिता में कक्षा 2 से 10वीं तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया। छात्रों को पाँच समूहों में विभाजित किया गया। साने गुरुजी, डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर, डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम आदि नामों से इन टीमों ने एक-दूसरे से रीडिंग से जुड़े प्रश्न पूछे

गए। प्रतियोगिता में छोटे वर्ग के समूह ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, वहीं माध्यमिक वर्ग में कक्षा 10वीं के विद्यार्थियों ने बाजी मारी। विजेता छात्रों को विद्यालय के प्राचार्य भाऊसाहेब शेटे द्वारा पुरस्कार प्रदान किये गये। दोपहर सत्र में एक एनजीओ की सहायता से हैंड वॉशिंग डे मनाया गया, जिसमें कक्षा 1 से 10वीं तक के सभी विद्यार्थियों को हाथ धोने के सही तरीकों और स्वच्छता के महत्व पर प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया गया। प्राचार्य भाऊसाहेब शेटे ने मिसाइल मैन डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम के जीवन पर प्रेरणादायक व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में लगभग 345 विद्यार्थी, सभी शिक्षक, ग्रामस्थ, खेल प्रेमी तथा स्कूल प्रबंधन समिति के सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगीत वंदे मातरम के साथ किया गया।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागुराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुद्रित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

धनतेरस-दीपावली से पहले जीआरपी जौनपुर को मिली बड़ी कामयाबी, 15 लाख के 50 मोबाइल बरामद

यात्रियों के चेहरे खिले

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। आगामी धनतेरस, दीपावली एवं छठ पर्व के मद्देनजर ट्रेनों में बढ़ती चोरी की घटनाओं की रोकथाम तथा अवैध तस्करी व अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत जीआरपी जौनपुर पुलिस को बड़ी सफलता मिली है।

पुलिस उपाधीक्षक रेलवे वाराणसी के कुंवर प्रभात सिंह के निर्देशन में तथा थानाध्यक्ष सुनील कुमार गोंड़ के कुशल नेतृत्व में गठित पुलिस टीम एवं सर्विलांस टीम की संयुक्त कार्रवाई के दौरान ट्रेनों में यात्रा कर रहे यात्रियों के गुमशुदा/चोरी हुए 50 मोबाइल फोन बरामद किए गए। ये मोबाइल विभिन्न तिथियों में थाना जीआरपी जौनपुर में दर्ज गुमशुदगी एवं एफआईआर से संबंधित थे। मोबाइल बरामदगी की कुल कीमत लगभग रु.15 लाख आंकी गई है। बरामद मोबाइल उनके मालिक यात्रियों को सौंपे गए, जिनमें कई यात्री विभिन्न जनपदों और प्रांतों से थे। अपनी खोई हुई मोबाइल वापस मिलने पर यात्रियों ने जीआरपी टीम के प्रति खुशी व्यक्त करते हुए भूरि-भूरि प्रशंसा की और पुलिस को धन्यवाद दिया। थानाध्यक्ष सुनील कुमार गोंड़ ने बताया कि शेष बचे गुमशुदा/ चोरी के मोबाइल भी शीघ्र ही बरामद कर संबंधितों को सौंपे जाएंगे।

बरामदगी टीम: थानाध्यक्षः सुनील कुमार गोंड़, थाना जीआरपी जौनपुर, उ0नि0 बृजेश कुमार, उ0नि0 राधा मोहन द्विवेदी (प्रभारी सर्विलांस सेल-जीआरपी अनु. प्रयागराज), हे0का0 प्रदीप कुमार, का0 रामप्रवेश कुमार। जीआरपी जौनपुर की यह पहल न केवल यात्रियों का विश्वास बढ़ाने वाली है, बल्कि त्योहारों के मौसम में सुरक्षा के प्रति पुलिस की सजगता का भी उदाहरण है।

प्रयागराज में नाबालिग की अपहरण के बाद हत्या

ईंट से आंख-सिर कूंचकर नहर में फेंका, मां बोली- मेरे चचेरे भाई ने करवायी हत्या

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। जनपद में 15 साल के लड़के की अपहरण के बाद हत्या कर दी गई। बुधवार सुबह घर से 10 किमी दूर नहर में उसका अर्धनग्न शव मिला। सिर और आंख ईंट से कूंचा था। बगल में खून से सनी ईंट और सफेद टीशर्ट पड़ी थी।

ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को बाहर निकलवाया। फिर घरवालों को बुलाकर नाबालिग की पहचान करवाई। पहचान फूलपुर थाने के बाबूगंज इलाके के कन्नौजा खुर्द गांव निवासी हसनैन आलम के रूप में हुई। हसनैन सोमवार शाम घर से सब्जी लेने के लिए निकला था। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि बाजार से उसे बाइक सवार युवक उठाकर ले गए थे। हसनैन की मां ने कहा- मेरे चचेरे भाई यानी हसनैन के रिश्ते के मामा ने रंजिश में उसकी हत्या कराई है। पूरा मामला फूलपुर थाना क्षेत्र का है।

सब्जी लेने के लिए शाम को घर से निकला था: कन्नौजा खुर्द गांव के रहने वाले परवेज आलम पुणे में प्राइवेट नौकरी करते हैं। गांव में उसकी बीवी आशियां बेगम अपने 4 बच्चों के साथ रहती हैं। सबसे बड़ा बेटा हसनैन आलम था। उसने पढ़ाई छोड़ दी थी और घर पर ही रहता है। हसनैन मंगलवार शाम को करीब 5 बजे घर से सब्जी लेने के लिए बाजार की तरफ गया था। वहां से वह घर नहीं लौटा।

देर शाम को जब हसनैन वापस नहीं आया तो परिजनों ने उसकी खोजबीन शुरू की। चश्मदीदों ने बताया- शाम करीब 5.15 बजे उसे उसके कुछ जानने वालों के साथ बाइक पर बैठ कर जाते देखा गया था। रातभर परिजनों ने उसकी तलाश की, जब नहीं मिला तो थाने में तहरीर दी।

इंसानियत ने तोड़ा दम, जिसने भी सुना सभी रह गए सन

मां ने रिश्ते के मामा पर लगाया हत्या का आरोपः मां आशियां ने हसनैन के रिश्ते के मामा सईद बाबा पर अपहरण और हत्या कराने का आरोप लगाया है। मां का आरोप है कि मलेथुआ संदलपुर गांव के रहने वाले सईद बाबा के बेटे जुनैद और उसके दोस्त ने हसनैन को अगवा कर मार डाला। यही लोग उसे जबरदस्ती अपने साथ ले गए थे।

मृतक हसनैन के मामा राजू की शादी सईद बाबा की लड़की से हुई थी। शादी के बाद विवाद हो गया। राजू का आरोप है कि लड़की सिगरेट पीती थी, गुटका खाती थी और इधर उधर घूमती थी। इसी पर राजू का पत्नी से झगड़ा हुआ और पत्नी मायके चली गई। इस पर सईद बाबा के परिवार ने राजू पर केस दर्ज कराया। तब से लड़की मायके में रहती है। इसी को लेकर दुश्मनी चल रही है। मां का आरोप है कि इसी रंजिश का बदला लेने के लिए राजू के भांजे हसनैन का सईद बाबा ने कत्ल करा दिया।

तलाक के बाद राजू पर करा दी रेप की एफआईआरः सईद बाबा दुआ ताबीज, झाड़ फूंक का काम करता है। रिश्तेदारी में आता है। मां ने कहा- सईद बाबा से हमारी दुश्मनी नहीं, बल्कि मेरे भाई राजू से शादी का विवाद था। प्रेम संबंध और शादी को लेकर विवाद की वजह से दुश्मनी रखी और बदला लेने के लिए मेरे बच्चे को अगवा कर मार डाला। राजू का सईद की बेटी से तलाक हुआ तो उसके घरवालों ने राजू पर रेप का मुकदमा दर्ज करा दिया था।

पदार्थ की संरचना को समझने में स्पेक्ट्रोस्कोपी महत्वपूर्णः प्रो.मृगेंद्र दुबे

पीयू में आई.आर. स्पेक्ट्रोस्कोपी पर व्याख्यान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर स्थित प्रोफेसर राजेंद्र सिंह (रज्जू भइया) संस्थान के रसायन विभाग द्वारा आई.आर. स्पेक्ट्रोस्कोपी और अनुप्रयोग विषय पर एक आमंत्रित व्याख्यान आयोजित किया गया। इस अवसर पर आमंत्रित वक्ता भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, इंदौर के प्रो. मृगेंद्र दुबे ने बताया कि किसी भी नए पदार्थ या रसायन की पहचान करने में आईआर स्पेक्ट्रोस्कॉपी की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। इसके माध्यम से नए संश्लेषित पदार्थ में परमाणुओं के बीच विभिन्न बंध और क्रियात्मक समूह की पहचान की जाती है। प्रो दुबे ने विद्यार्थियों को आईआर स्पेक्ट्रोस्कॉपी के सिद्धांत, तकनीकी और प्रयोग को विस्तार से एनिमेशन और वीडियो के माध्यम से आसन भाषा में समझाया। कार्यक्रम की अध्यक्षता रज्जू भइया संस्थान के निदेशक प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने की। इस अवसर पर रसायन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. प्रमोद कुमार ने मुख्य वक्ता का स्वागत किया तथा कहा कि विभाग लगातार इस तरह के व्याख्यान आयोजित करता है जिससे विद्यार्थियों को नित्य हो रहे नए शोध और तकनीक से परिचित रहें। इस अवसर पर विभाग के शिक्षक डॉ अजीत सिंह, डॉ.नितेश जायसवाल, डॉ. दिनेश कुमार वर्मा, डॉ. मिथिलेश यादव एवं डॉ. विजय शंकर पांडेय व एमएससी केमिस्ट्री तथा पीएचडी के सभी छात्र छात्राएं उपस्थित रहे। संचालन आकाश और केमिकल कम्युनिकेशन सोसाइटी के अन्य विद्यार्थियों द्वारा किया गया।

शत-प्रतिशत करायें जोड़ो का सत्यापन, अन्यथा होगी कार्यवाहीः जिलाधिकारी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। प्रस्तावित बदलापुर महोत्सव जिसमें मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजनान्तर्गत पात्र जोड़ो का विवाह कराया जाना है। आवेदकों से ऑनलाइन आवेदन लिया जा रहा है, जिसकी जॉच हेतु समस्त खण्ड विकास अधिकारी, समस्त अधिशासी अधिकारी (नगर पालिका/नगर निकाय) जौनपुर के पोर्टल पर अग्रसारित कर दिये गये हैं। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए है कि अग्रसारित आवेदन पत्रों की जॉच शासनादेश में दी गयी व्यवस्था के अनुसार करते हुए साथ ही आवेदक की पात्रता की जॉच गहनता से करते हुए आवेदको द्वारा उपलब्ध कराये गये बैंक खाते का परीक्षण कराये। सत्यापन के पश्चात भी अपात्रता पाये जाने पर सम्बन्धित के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की जायेगी।

किशोरी के ऊपर गरम दाल फेंका, किशोरी झुलसी, मुकदमा दर्ज

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जफराबाद क्षेत्र के सुंगुलपुर गांव में सोमवार को जमीनी विवाद के चलते एक किशोरी पर गरम दाल फेंकने से वह झुलस गयी है। पुलिस ने मामले में केस दर्ज कर लिया है। सुंगुलपुर गांव निवासी श्यामनारायन ने तहरीर देकर आरोप लगाया है कि उनके पड़ोसी गुड्डू से उनका जमीनी विवाद चल रहा है। घटना सोमवार की सुबह की है, गुड्डू और उनके परिवार की आरती और गीता देवी श्यामनारायन के दरवाजे पर आये। आरोप है कि आरती और गीता देवी ने उनकी 14 वर्षीय पुत्री मानवीय का हाथ पकड़ लिया तथा गुड्डू ने उस पर गरम दाल गिरा दिया। जिससे कि वह झुलस गयी। पुलिस ने गुड्डू सहित तीन पर केस दर्ज कर आगे की विधिक कार्यवाई में जुट गयी है।

साइबर अपराधियों से डरने की नहीं है जरूरतः डॉ.दिग्विजय सिंह राठौर

मिशन शक्ति फेस-5 के तहत छात्राओं को मिली साइबर सेफ्टी की सीख

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के संकाय भवन स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में बुधवार को मिशन शक्ति फेस-5 के अंतर्गत छात्राओं के लिए साइबर क्राइम जागरूकता विषय पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में बतौर मुख्य वक्ता साइबर क्लब के नोडल अधिकारी डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर ने कहा कि भारत में साइबर अपराधों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। पिछले चार वर्षों में इन अपराधों में लगभग 400 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। उन्होंने कहा कि छात्राओं को साइबर अपराधियों से डरने की आवश्यकता नहीं है, बल्कि उन्हें तकनीकी रूप से सशक्त होकर उनका साहसपूर्वक सामना करना चाहिए।

डॉ. राठौर ने छात्राओं को नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया से अवगत कराया और बताया कि महिलाओं और बच्चों से संबंधित अपराधों के लिए अलग से शिकायत दर्ज करने की सुविधा उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि मोबाइल और व्हाट्सएप जैसे प्लेटफार्मों पर बढ़ते साइबर अपराधों से निपटने के लिए पीड़ितों को संचार साथी ऐप के माध्यम से शिकायत अवश्य दर्ज करनी चाहिए, ताकि अपराधियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई हो सके।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. आशुतोष सिंह ने कहा कि जैसे-जैसे मोबाइल, इंटरनेट और डिजिटल तकनीक का विस्तार हो रहा है, वैसे-वैसे साइबर अपराधों की संख्या भी बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि जागरूकता ही इनसे बचाव का सबसे प्रभावी उपाय है।

नोडल अधिकारी डॉ. जाह्नवी श्रीवास्तव ने बताया कि छात्राओं के सशक्तिकरण हेतु मिशन शक्ति फेज-5 के तहत लगातार जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। वहीं मिशन शक्ति फेस-5 की सदस्य डॉ. अन्नू त्यागी ने कहा कि साइबर अपराधी लोगों के मनोविज्ञान का सहारा लेकर हावी होते हैं, इसलिए सतर्क रहना ही सुरक्षा की कुंजी है। कार्यक्रम का संचालन अनुश्रेया सिंह ने किया।

लायंस क्लब रॉयल ने आयोजित किया डांडिया उत्सव

◆ विजेताओं को भेंट किया उपहार

अभिताश गुप्ता

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लायंस क्लब जौनपुर रॉयल द्वारा डांडिया उत्सव का एक भव्य कार्यक्रम को देर शाम घनश्याम दास का बगीचा उर्दू बाजार में आयोजित किया गया। जिसमें हर वर्ग की महिलाओं पुरुषों और बच्चों ने प्रतिभाग करते हुए देर रात्रि तक भक्ति और डांडिया गीतों पर झूमते रहे। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि नगर पालिका परिषद चेयरमैन मनोरमा मौर्या ने सभी विजेताओं को पुरस्कृत किया। उन्होंने इस अवसर पर कहा डांडिया नृत्य जगतजननी मां दुर्गा को समर्पित होता है। इसमें भारतीय संस्कृति की अनेक विशेषताएं निहित है। निर्णायक मंडल सदस्य के रूप में उपस्थित ममता उपाध्याय व शर्मिला सिन्हा ने अपनी पैनी नजर से विभिन्न कैटगरी के विजेताओं का चयन किया। उन्होंने कहा सभी ने बहुत ही शानदार प्रस्तुति दी है। उन्हीं में से कुछ की विशेष रहीं जिन्हें विजेता घोषित किया गया है। विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित डा.रामसूरत मौर्य ने कहा त्यौहारो की खुशियां तभी सार्थक है। जब हम उन्हें मिल बांट कर मनाते हैं, संस्थापक अध्यक्ष ने इस तरह के आयोजन को तनावपूर्ण जीवन के लिए महत्वपूर्ण।

जरूरत पड़ने पर याद रखें 1090, शाहगंज पुलिस ने दी बेटियों को सुरक्षा की ढाल

मुश्किल में भी घबराइए नहीं, लगाइए फोन, मिशन शक्ति के तहत महिला कांस्टेबल ने छात्राओं को किया जागरूक

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बुधवार को मिशन शक्ति अभियान के तहत कस्बा स्थित अउ्रट कॉन्वेंट स्कूल गोड़ीला में छात्राओं और महिलाओं को जागरूक किया। इस दौरान महिला कांस्टेबल की ओर से छात्राओं को महिला सुरक्षा सम्बन्धी जानकारी और हेल्पलाइन नम्बरों के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि कैसे विशेष परिस्थितियों में इन नंबरों की मदद ली जा सकती है। यहाँ आयोजित कार्यक्रम में महिला कांस्टेबल अंतिमा सिंह ने कहा कि स्कूल परिवेश, स्कूल की गाड़ियों में आते जाते समय रास्ते में घर के आसपास कहीं भी महिलाएं और लड़कियां अगर छेड़छाड़ या भद्दे कमेंट का शिकार होती हैं। तो ऐसी स्थिति में उन्हें तुरंत अपने परिजनों और अपने शिक्षकों को इसकी जानकारी देनी चाहिए। अगर कोई गलत व्यवहार करता है तो तत्काल डॉयल 1090 व 112 सहित अन्य मोबाइल नंबरों पर फोन करके सूचना दे सकते हैं।

उन्होंने बेटियों को भरोसा दिया कि पुलिस को सूचना देने वाले का नाम भी गोपनीय रखा जाएगा। थाने पर महिला हेल्पलाइन बनाया गया है। जिस पर महिला पुलिस अधिकारी व कर्मचारी हमेशा मौजूद रहती हैं। वहाँ जाकर अपनी समस्या से अवगत करा सकती हैं।

उपनिरक्षक चंद्रभान यादव, अजय यादव ने सबसे सहयोग के लिए आह्वान किया। इस मौके पर महिला कांस्टेबल अंतिमा सिंह, विजयलक्ष्मी, रीता चौहान, हेड कांस्टेबल प्रमोद यादव, कांस्टेबल अजय वर्मा अन्य मौजूद रहें। कार्यक्रम के अंत में महिला पुलिस कर्मियों ने सहयोगी छात्राओं का हौसला बढ़ाने के लिए उनके साथ सेल्फी ली। शाहगंज पुलिस की ओर से क्षेत्र के सभी प्रमुख माध्यमिक विद्यालयों, चौराहों, प्रमुख स्थानों पर बेटियों, महिलाओं को जागरूक करने के लिए यह कार्यक्रम चलाया जा रहा है। जिसकी खूब सराहना हो रही है।

फांसी के फंदे पर लटककर दो विवाहित महिलाओं ने दी जान

क्यों बढ़ रहा है जिले आत्महत्या का चलन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोतवाली थाना क्षेत्र के मोहल्ला तारापुर तकिया में नव विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी पर लटकी हुई लाश से क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। इसी मोहल्ला के निवासी मोहम्मद सुफियान की 26 वषीर्या पत्नी कि मंगलवार दिन रात घर के अंदर टीन सेट में लगे पाइप में उसकी लाश फांसी के फंदे पर लटक रही थी। जैसे ही यह खबर मोहल्ला वासियों को लगी बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ एकत्रित हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही क्षेत्राधिकार नगर गोल्डी गुप्ता शहर कोतवाल विश्वनाथ प्रताप सिंह चौकी प्रभारी सराय पोखता सुनील कुमार यादव सहयोगी जवानों के साथ मौके पर पहुंच गए हैं। पुलिस मे लाश को अपने कब्जे में ले लिया है। दूसरी तरफ पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। हिना की शादी लगभग 6 माह पूर्व हुई थी। समाचार लिखे जाने तक मायके के लोग अभी नहीं पहुंच पाए हैं।

इसी तरह सुजानगंज क्षेत्र के ग्राम सभा अचकारी में एक दुःखद घटना सामने आई है। जहां पूनम दुबे ने फांसी लगाकर अपनी इस लीला समाप्त कर ली। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत अचकारी निवासी पूनम दुबे 32 वर्ष पत्नी जितेंद्र दुबे ने देर रात को फांसी लगा ली। और वह अपने सास के साथ घर पर रहती थीं। रात को खाना खाने के बाद सभी सोने चले गए। मृतिका अपने कमरे में सोने के लिए चली गई। जबकि सास जडाव्रती देवी मृतका के 10 वर्षीय बेटे के साथ सोने चली गई। सुबह काफी देर तक जब पूनम का दरवाजा बंद रहा तो सास घबड़ाने लगी और ग्राम सभा सहित अन्य लोग भी पहुंच कर देखा तो पूनम का शव पंखे के सहारे लटक रहा था, घटना की जानकारी पुलिस को दिए गई। मौके पर पुलिस पहुंचकर ग्रामीणों के साथ दरवाजा खुलवाया। फॉरेंसिक टीम भी मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है।

अभी तक आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है।, लेकिन पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। पूनम दुबे का एक आशुतोष 10 वर्षीय बेटा है, जो अपने दादी के साथ रहता है। पति जितेंद्र उर्फ अंतिम रोजी-रोटी के चक्कर में बाहर रहते हैं। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। थानाध्यक्ष फूलचंद्र पांडेय ने बताया कि अभी तक किसी प्रकार की परिजनों द्वारा तहरीर नहीं दी गई है। शव को अंत्यपरीक्षण के लिए भेजा गया है। इस घटना से गांव में मातम छा गया है।

सपनो को साकार करना ही मिसाइलमैन ए.पी.जे अब्दुल कलाम को सच्ची श्रद्धांजलि

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। फरीदुल हक मेमोरियल पी.जी कॉलेज तालीमाबाद,सबरहद शाहगंज-जौनपुर में मिसाइल मैन डॉक्टर ए.पी.जे अब्दुल कलाम के जन्म दिवस के अवसर पर विज्ञान संकाय द्वाराश्राष्ट्र निर्माण में छात्रों की भूमिकाश् विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। एम.ए उर्दू तृतीय सेमेस्टर के छात्र अब्दुर्रहमान ने विषय पर बात करते हुए कहा कि किसी भी राष्ट्र के निर्माण में छात्रों की भूमिका बहुत अहम होती है और छात्र ही देश के भविष्य हैं, बी.ए प्रथम सेमेस्टर की छात्रा मंतशा मतलूब ने कहां की हमें एपीजे कलाम की जीवनी से बहुत कुछ सीखना चाहिए और उनकी तरह राष्ट्र निर्माण में मदद करना चाहिए। कार्यक्रम में डॉ शिव प्रसाद यादव, डॉ विनय कुमार, डॉ.रविन्द्र कुमार यादव के साथ अन्य विद्वानों ने डॉ. कलाम के कार्य एवं योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। महाविद्यालय के कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रचार्य डॉ.तबरेज आलम ने की। प्राचार्य डॉ.तबरेज आलम ने इस तरह का कार्यक्रम आयोजित करने के लिए विज्ञान संकाय की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम से छात्रों की प्रतिभा खुल कर सामने आती है साथ ही छात्र एवं छात्राओं को मुबारकबाद देते हुए उन्होंने आगे कहा कि छात्र एवं छात्राओं को शिक्षा के प्रति ईमानदार रहना होगा और देश के हर एक कार्य में अपनी सहभागिता दर्ज करना होगा तब हम डॉ. कलाम के सपनों का देश बना सकेंगे। डॉ. तबरेज आलम नेआगे कहा कि यदि किसी भी विद्यार्थी को पठन-पाठन या अन्य किसी एक्टिविटीज में किसी प्रकार की जरूरत पड़ती है तो कालेज उसे उपलब्ध कराने के लिए सदैव तैयार है। कार्यक्रम में डॉ. .निजामुद्दीन, डॉ. पीयूष श्रीवास्तव, डॉ.अमित कुमार गुप्ता, रियाज अहमद,सूर्य प्रकाश यादव,खुर्शीद हसन खान, कहकशां खान, गीता देवी,वेद प्रकाश आर्य,मुहम्मद मुजाहिद्दीन,डॉ. संतोष कुमार यादव,डॉ.अनुराग कुमार सोनकर,आदूतीय यादव सहित महाविद्यालय के अन्य शिक्षक एवं छात्र उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन प्राणी विज्ञान प्रवक्ता नाज़िया शाहिद ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन प्राणी विज्ञान प्रवक्ता डॉ.वन्दना सिंह ने किया।

घर लौटते समय डॉक्टर पर हमला, थाना बरसठी में तहरीर के बाद जांच शुरू

दिनेश विश्वकर्मा, बरसठी,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना बरसठी क्षेत्र के गांव गहलाई ,पोस्ट तेजगढ़, तहसील मड़ियाहूं, जनपद जौनपुर निवासी कमला शंकर गौतम पुत्र स्वर्गीय वोड़े राम गौतम ने अपने साथ हुई मारपीट की घटना की तहरीर थाना बरसठी में दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कमला शंकर गौतम सुखलालगंज फाटक के पास अपनी डाक्टरी की दुकान चलाते हैं। बीते 22 अगस्त 2025 की रात लगभग 8:50 बजे वे अपनी दुकान बंद कर घर लौट रहे थे। उसी दौरान रास्ते में विपक्षी प्रशांत गौतम पुत्र दमोदरा (निवासी मनूई) अपने पांच साथियों के साथ तीन बाइकों पर सवार होकर पहले से ही घात लगाए बैठा था। जैसे ही प्रार्थी वहां पहुँचे, विपक्षी प्रशांत गौतम ने रास्ता रोककर गंदी-गंदी गालियाँ दीं और लात-घूंसों से मारपीट शुरू कर दी। बताया गया कि विपक्षी ने जान से मारने की धमकी भी दी। प्रार्थी ने कहा कि प्रशांत गौतम के अलावा अन्य व्यक्तियों की पहचान नहीं हो सकी है। घटना की सूचना पर पीड़ित ने थाना बरसठी पहुंचकर लिखित तहरीर दी और आरोपियों के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई की मांग की है। तहरीर की पुष्टि हेड मु कांस्टेबल कमलेश यादव ने की है। उन्होंने बताया कि तहरीर अक्षरशः दर्ज कर सीसीटीएनएस पोर्टल पर मुकदमा कायम किया गया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

मातृशक्ति का सम्मान, उज्जवला से प्रकाशमान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शासन द्वारा दिये गये निर्देश के क्रम में उज्ज्वला लाभार्थियों को निःशुल्क सिलेण्डर रिफिल की सब्सिडी वितरण कार्यक्रम का आयोजन कलेक्ट्रेट सभागार में किया गया।

लखनऊ में आयोजित मुख्यमंत्री उ०प्र० द्वारा उज्जवला योजना अंतर्गत प्रदेश की 1.86 करोड़ पात्र परिवारों को रुपए 1500 करोड़ की धनराशि से गैस सिलेंडर रिफिल सब्सिडी वितरण कार्यक्रम के सजीव प्रसारण को जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद जौनपुर श्रीमती मनोरमा मौर्या तथा जिलाधिकारी डॉ० दिनेश चंद्र सहित अन्य अधिकारियों और लाभार्थी महिला शक्ति द्वारा देखा गया तथा मुख्यमंत्री के उद्बोधन को सुना गया। तत्पश्चात शासन द्वारा दिये गये दिशा-निदेर्शों के अनुरूप अतिथिगणों द्वारा उपस्थित लगभग 150 उज्जवला लाभार्थियों को उक्त योजना के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गयी।

आयोजन के दौरान उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं जिलाधिकारी के द्वारा सरोजा देवी, शकुंतला, शांति, आरजू बानो, शाहिदा बानो, उषा सहित अन्य उज्ज्वला लाभार्थियों को उज्ज्वला सिलेण्डर के सापेक्ष दी जा रही सब्सिडी का प्रतीकात्मक चेक प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त उपस्थित लाभार्थियों को अवगत कराया गया कि उक्त योजना के अन्तर्गत कुल 403934 लाभार्थी आच्छादित है, जिसके सापेक्ष 15 अक्टूबर 2025 को 44087 उज्ज्वला लाभार्थियों को निःशुल्क सिलेण्डर रिफिल की सब्सिडी उनके खाते में अन्तरित कर दी गयी है। शेष लाभार्थियों द्वारा रिफिल प्राप्त करने के उपरान्त निःशुल्क सिलेण्डर रिफिल की सब्सिडी उनके खाते में अन्तरित कर दी जायेगी।

इस दौरान जिलाधिकारी ने सभी उपस्थित मातृशक्ति को संबोधित करते हुए सभी को दिवाली की शुभकामनाएं दी और कहा कि इस दिवाली पर आप सभी स्वदेशी उत्पादों का प्रयोग करें, उपहार देने में भी स्वदेशी वस्तुओं का ही प्रयोग करें जिससे वोकल फॉर लोकल को बढ़ावा मिले तथा देश की अर्थव्यवस्था को गति मिले। इसके साथ ही जिलाधिकारी ने सभी से अपील किया कि विकसित भारत विकसित उत्तर प्रदेश 2047 हेतु समर्थ पोर्टल पर अपने सुझाव अवश्य दें। कार्यक्रम में परियोजना निदेशक, जिला पूर्ति अधिकारी एवं अधिकारीगण सहित लाभार्थी उपस्थित रहें।

2025 में ठाणे में घरों के पंजीकरण में मिलेनियल्स की हिस्सेदारी सबसे ज्यादा: अर्बन एकर्स सर्वेक्षण

ठाणे। भारत के शहरी आवास रुझानों पर नजर रखने वाले थिंक टैंक, अर्बन एकर्स द्वारा किए गए एक नए सर्वेक्षण से पता चलता है कि 2025 में ठाणे में घरों के पंजीकरण में मिलेनियल्स की हिस्सेदारी 61 प्रतिशत होगी, जो शहर के आवासीय बाजार में युवा खरीदारों की बढ़ती भूमिका को रेखांकित करता है। घोड़बंदर रोड, माजीवाड़ा और कोलशेत के 1,200 से ज्यादा घर खरीदारों से मिली प्रतिक्रियाओं के आधार पर, इस सर्वेक्षण में पुराणिक ग्रुप को ठाणे का सबसे ज्यादा मिलेनियल-फ्रेंडली डेवलपर बताया गया है। इस सर्वेक्षण में मिलेनियल खरीदारों (25-40 वर्ष की आयु) की भागीदारी में तेज वृद्धि देखी गई है, जो 2020 में 48 प्रतिशत थी। इस समूह के लिए किफायतीपन, स्वास्थ्य-उन्मुख सुविधाएँ, स्मार्ट लेआउट और समुदाय-आधारित डिजाइन सबसे महत्वपूर्ण कारक रहे। अर्बन एकर्स के एक प्रवक्ता ने कहा कि यह बदलाव शहर की रियल एस्टेट माँग में व्यापक बदलाव को दर्शाता है। प्रवक्ता ने कहा, ‘मिलेनियल्स न केवल घर खरीद रहे हैं, बल्कि वे स्वास्थ्य, तकनीक और समुदाय से जुड़ी नई अपेक्षाएँ भी परिभाषित कर रहे हैं। पुराणिक समूह द्वारा मिराई, रूमाह बाली और इकिगाई जैसे विकास लगातार इन आकांक्षाओं के अनुरूप रहे हैं, जो ठाणे के बाजार के लिए एक संदर्भ बिंदु स्थापित कर रहे हैं। बाजार के आंकड़ों के अनुसार, ठाणे के औसत आवासीय पूंजी मूल्यों में पिछले तीन वर्षों में लगभग 46 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो 2022 में लगभग ?13,550 प्रति वर्ग फुट से बढ़कर 2025 की दूसरी तिमाही में लगभग ?19,800 प्रति वर्ग फुट हो गया है। 13-14 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर ठाणे को मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) के भीतर अधिक लचीले विकास क्षेत्रों में से एक बनाती है। एमएमआर भारत का सबसे बड़ा आवासीय बाजार बना हुआ है, जहाँ 2025 की दूसरी तिमाही में लगभग 31,300 इकाइयाँ बिकीं, जो इस तिमाही में राष्ट्रीय बिक्री का एक-तिहाई है। विश्लेषकों का अनुमान है कि इसमें ठाणे का योगदान 8-10 प्रतिशत या प्रति तिमाही लगभग 2,500-3,000 इकाइयाँ होगा।

सर्वेक्षण के निष्कर्षों पर प्रतिक्रिया देते हुए, पुराणिक समूह के निदेशक, शैलेश पुराणिक ने कहाः ‘यह मान्यता समुदाय, स्वास्थ्य और सामर्थ्य पर हमारे ध्यान की पुष्टि करती है। घोड़बंदर रोड पर 10,000 से ज्यादा घरों की डिलीवरी और 5,000 निमार्णाधीन घरों के साथ, हम ठाणे को आवास विकास के अगले चरण के केंद्र में देखते हैं। हमारी आगामी राहायु वेलनेस होम्स परियोजना मध्यम-आय वर्ग के लिए रोजमर्रा के आवास में कल्याण को शामिल करने का प्रयास करती है। सर्वेक्षण में मिराई, रूमाह बाली और इकिगाई जैसी प्रमुख परियोजनाओं का हवाला दिया गया, जो कि सामर्थ्य को आकांक्षात्मक डिजाइन के साथ जोड़ती हैं, समकालीन वास्तुकला और सामुदायिक सुविधाएँ प्रदान करती हैं जो युवा परिवारों के साथ प्रतिध्वनित होती हैं। क्रेडाई एमसीएचआई के एक प्रवक्ता ने कहाः ‘ठाणे एमएमआर में एक रणनीतिक विकास गलियारा बना हुआ है। जो डेवलपर किफायतीपन को जीवनशैली और स्वास्थ्य के साथ जोड़ते हैं, वे मिलेनियल खरीदारों की जरूरतों को पूरा करने के लिए सबसे उपयुक्त हैं, जो शहर में घर खरीदने वालों का सबसे प्रभावशाली समूह बन गया है।

भाजपा युवा मोर्चा नवी मुंबई जिलाध्यक्ष निकेतन पाटिल का सीवुड्स में स्वागत

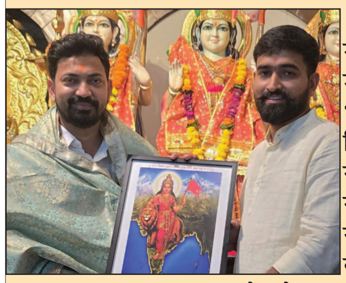

नवीमुंबई। भाजपा युवा मोर्चा कार्यकर्ता एडवोकेट उत्कर्ष विनोद उपाध्याय द्वारा भाजपा युवा मोर्चा नवी मुंबई जिलाध्यक्ष निकेतन पाटिल का सत्कार व अभिनंदन कार्यक्रम सीवुड्स के शिव साईं हनुमान राम मंदिर में युवा मोर्चा कार्यकताओं की मौजूदगी में किया गया इस अवसर पर गणेश देशमुख,मकरंद म्हात्रे, अजय पासवान, अंकुर शुक्ला, सिद्धांत पाटील, डॉ. विशाल मुले, महेंद्र भोसले,गौरव म्हात्रे, प्रभाकर जी व युवा मोर्चा के पदाधिकारी कार्यकर्ता गण उपस्थित रहे।

फोनपे और उत्कर्ष बैंक ने मिलकर कस्टमर्स के लिए लॉन्च किया विश क्रेडिट कार्ड

मुंबई। आज फोनपे ने उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक के साथ एक बड़ी स्ट्रेटजिक पार्टनरशिप का ऐलान किया है। इस पार्टनरशिप के तहत, दोनों कंपनियों ने मिलकर 'विश क्रेडिट कार्ड' लॉन्च किया है। इस क्रेडिट कार्ड के लिए फोनपे ऐप पर ऑनलाइन अप्लाई किया जा सकेगा, जिससे लाखों यूजर्स घर बैठे ही बेहद आसानी और तेजी से ऐप्लिकेशन प्रोसेस पूरा कर पाएंगे। इस पार्टनरशिप का उद्देश्य, फोनपे और उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक की सेवाओं को देश के कोने-कोने में मौजूद उन तमाम यूजर्स तक पहुँचाना है जो डिजिटल रूप से जागरूक हैं। विश क्रेडिट कार्ड को हर भारतीय के हाथ में क्रेडिट कार्ड की ताकत देने के लिए डिजाइन किया है। यह एक बेजोड़ कॉम्बिनेशन है, जिसमें यूजर को फिक्स्ड डिपॉजिट की सिक्योरिटी पर क्रेडिट कार्ड की शानदार सुविधा मिलती है। यह कार्ड उन सभी लोगों के लिए शानदार विकल्प हो सकता है जो अपना बिजनेस करते हैं, हाउसवाइफ है, कस्टमर्स जो पहली बार क्रेडिट कार्ड ले रहे हैं, और टियर-2, 3 शहरों में रहने वाले लोग जहाँ अभी भी बहुत कम लोगों के पास क्रेडिट कार्ड है। यहाँ कस्टमर सिर्फ ?2000 के न्यूनतम डिपॉजिट पर आसानी से 'विश क्रेडिट कार्ड' पा सकते हैं, जो इसे बेहद किफायती और सभी के लिए सुलभ बनाता है। इस पार्टनरशिप पर फोनपे के पेमेंट्स हेड, दीप अग्रवाल ने कहा, स्मॉल फाइनेंस बैंक के साथ यह पार्टनरशिप, हमारी वित्तीय सेवाओं के इकोसिस्टम को और मजबूत करने की दिशा में एक बहुत ही बड़ा कदम है। हम अपने यूजर को हमेशा समाधान उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं और इससे वे भरोसेमंद क्रेडिट प्रोडक्ट का उपयोग कर पाएंगे। इस कार्ड में मिलने वाले आकर्षक रिवॉर्ड और वढकपर रुपे की सुविधा के साथ, हम एक ऐसा भारत बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं जिसमें ज्यादा से ज्यादा लोग वित्तीय सेवाओं का उपयोग कर पाएँ।

लोकाधिकार सेवा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष रिंकू भइया ने अंबरनाथ में गृहप्रवेश पूजन में की शिरकत

अंबरनाथ (कल्याण)। बुधवार लोकाधिकार सेवा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं ब्लॉक प्रमुख प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल ‘रिंकू भइया’ ने अंबरनाथ में आयोजित एक धार्मिक कार्यक्रम में भाग लिया। यह कार्यक्रम अशोक पाठक के नव निर्मित आवास में गृहप्रवेश, गृह शांति और श्री सत्यनारायण भगवान की पूजा के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था। रिंकू भइया ने श्रद्धापूर्वक पूजा में सम्मिलित होकर आरती और प्रसाद ग्रहण किया। उन्होंने गृहस्वामी के पुत्र कृष्णा अशोक पाठक को नए घर के उपलक्ष्य में उपहार और संकल्प पत्रिका भेंट की तथा पूरे परिवार को मंगलकामनाओं सहित हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित कीं। इस अवसर पर कई गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे, जिनमें रविन्द्र मिश्रा, रत्नेश शुक्ल, महाराष्ट्र शासन के विशेष कार्यकारी अधिकारी आदेश मिश्रा, संदीप शुक्ल, विक्की तिवारी, शिवम शुक्ल सहित अन्य गणमान्यजन शामिल थे।

घाटकोपर में दर्शन ज्वेलर्स पर लूट का प्रयास, पुलिस जांच में जुटी

मुंबई। घाटकोपर स्थित दर्शन ज्वेलर्स में लूट का प्रयास किए जाने की खबर है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, एक अज्ञात व्यक्ति स्कूटर पर मौके पर पहुंचा, हवा में फायरिंग की और वहां से फरार हो गया। स्थानीय पुलिस ने तुरंत इलाके को घेर लिया है और जांच शुरू कर दी है। फॉरेंसिक टीम घटनास्थल से सबूत इकट्ठा कर रही है। फिलहाल, आरोपी की पहचान और उसकी तलाश के प्रयास जारी हैं। आगे की जानकारी की प्रतीक्षा है।

दीपावली से पहले मुंबई पुलिस शिकायतकर्ताओं को 3 करोड़ 87 लाख के कीमती वस्तुओं को वापस लौटाया

मुंबई(उत्तरशक्ति)। मुंबई दीपावली से पहले मुंबई पुलिस द्वारा शिकायकतकर्ताओ को बड़ा तोहफा। 2025 में चोरी किये हुवे मोबाइल फोन, नगद, सोने के गहने को शिकायतकताओं को वापस लौटाया गया। इस विशेष अभियान में 3 करोड़ 87 लाख 66 हजार 6 सौ 07 रुपये की संपत्ति को वापस दिया गया। जोन 12 के सात पुलिस थाने दहिसर, कस्तूरबा मार्ग, समता नगर, कुरार, डिंडोशी, वनराई और आरे पुलिस की कार्यवाही में मालमत्ता जप्त की गई थी। जिसमे 225 तोले सोने के आभूषण, 2 बसें, 7 ऑटोरिक्शा, 13 बाइक, 4 लैपटॉप, 689 मोबाइल फोन शामिल हैं। इन सभी कीमती वस्तुओ को अतिरिक्त पुलिस आयुक्त उत्तर प्रादेशिक विभाग शशि कुमार मीणा के हाथों शिकायतकताओं को वापस की गई। इस मौके परिमंडल 12 के पुलिस उपायुक्त महेश चिमटे, सहायक पुलिस आयुक्त मालोजी शिंदे, कैलाश बर्वे, विजय भिसे और 7 पुलिस थाने के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक मौजूद थे। चोरी हुई संपत्ति वापस मिलने पर नागरिकों ने मुंबई पुलिस का आभार प्रकट किया।

भरौली गांव के खेत में मिला मगरमच्छ

घोरावल। घोरावल के ग्राम पंचायत भरौली में सोमवार देर शाम खेत में मगरमच्छ पहुंच गया। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम ने करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद मगरमच्छ को पकड़ा और बेलन नदी में छोड़ दिया। भरौली गांव में सरोज पटेल के घर के सामने खेत में शाम करीब पांच फीट लंबा मगरमच्छ दिखाई दिया। उसकी हलचल और फुंफकार सुनकर मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। देखते ही देखते वहां लोगों की भीड़ जुट गई। ग्रामीणों की सूचना पर वन दरोगा सुरेंद्र कुमार, देवेंद्र कुमार, राजन मिश्रा और ओमप्रकाश विश्वकर्मा पहुंचे। करीब एक घंटे की मेहनत के बाद मगरमच्छ को पकड़ा गया। वन क्षेत्राधिकारी ज्ञानेश कुमार ने बताया कि मगरमच्छ को बेलन नदी में छोड़ दिया गया है। बताया कि भोजन की तलाश में मगरमच्छ बस्तियों की ओर चले जाते आते हैं। ऐसे में बेलन, बकहर नदी और आसपास के जलाशयों के किनारे ग्रामीण सतर्कता बरतें।

गिरगांव चौपाटी पर श्री ब्रजमंडल का 34वाँ अखिल भारतीय कवि सम्मेलन सम्पन्न

मुंबई। श्री ब्रजमंडल, द्वारा आयोजित 42वें श्री कृष्ण रासलीला महोत्सव के समापन पर 34वाँ अखिल भारतीय विराट कवि सम्मेलन मुंबई के गिरगांव चौपाटी पर आयोजित किया गया, जिसमे विभिन्न रसों के कवियों ने अपनी प्रस्तुति से लोगों का मन मोह लिया। श्री बृजमण्डल पिछले 34 वर्षों से इसी परंपरा का निर्वाह करने और आज के युवाओं को अपनी संस्कृति और परंपरा का भाव जागृत करने के लिए युवाओं को कवि सम्मेलन से जोड़ने का कार्य कर रहा है। हजारों साहित्य रसिकों के बीच हास्य कवि सुरेश मिश्र के सफल संचालन में तेज नारायण शर्मा (मुरैना),राम किशोर तिवारी (बाराबंकी), मुन्ना बैटरी, (मंदसौर),हाशिम फिरोजाबादी, (फिरोजाबाद), श्रीमती माधुरी किरन (बालाघाट), ने श्रोताओं को लोटपोट कर दिया।

कवि सम्मेलन समारोह का उद्घाटन महेश डी. अग्रवाल, अध्यक्ष कैलाश अग्रवाल ने किया। सरस्वती पूजन अमरीशचन्द्र अग्रवाल ने व दीप प्रज्वलन राजीव श्यामसुन्दर अग्रवाल ने किया। स्वागताध्यक्ष ओमप्रकाश अग्रवाल की उपस्थिति में सभी अतिथियों का स्वागत संस्था के ट्रस्टी, पदाधिकारी, कार्यसमिति तथा आयोजन समिति सदस्यों ने शाल, श्रीफल, उपरना व पुष्पगुच्छ से किया गया।विशिष्ट अतिथियों में राज के. पुरोहित,अतुल शाह,स्वामी डॉ. देवकीनंदन शर्मा व आकाश पुरोहित उपस्थित थे।अतिथि विशेष के रूप में राजेश झुनझुनवाला नारायणदास अग्रवाल, विशाल अग्रवाल थे। के. के. सिंघला, डॉ. अलोक अग्रवाल,श्यामसुंदर गर्ग, हरिओम अग्रवाल, ब्रजमोहन अग्रवाल,अशोक जैन, सूरजभान अग्रवाल, सुधीर अग्रवाल, चैनाराम परमार, दिनेश गोकुलचंद अग्रवाल,पवन एच. अग्रवाल, विश्वनाथ भरतिया,संजय आर. मित्तल,विजय लोहिया, घनश्याम एम. अग्रवाल ने उपस्तिथ रहकर आयोजन को गरिमामय बनाया।

समारोह का संचालन संयोजक बृजकिशोर अग्रवाल ने किया तथा संस्थाध्यक्ष/ट्रस्टी सुरेशचंद्र अग्रवाल के साथ श्रीकृष्ण रासलीला महोत्सव संयोजक अनिल आर.अग्रवाल, ट्रस्टी कानबिहारी अग्रवाल, प्रदीप आर. लाड़ीवाल, उपाध्यक्ष रविशंकर अग्रवाल व राजेश मित्तल एवं गौरव शर्मा, विवेक अग्रवाल,पवन आर. अग्रवाल, सुनील अग्रवाल, नरेंद्र अग्रवाल, गोविन्द अग्रवाल, संदीप अग्रवाल, राजीव अग्रवाल, राकेश अग्रवाल आदि ने बखूबी इस कार्यक्रम की बागडोर संभाली। महिला समिति की अध्यक्षा आशा सुनील अग्रवाल, मंत्री रुपाली योगेश गुप्ता, उपाध्यक्षा अनीता अनिल अग्रवाल, रेनू ओमप्रकाश अग्रवाल व अन्य महिला सदस्य उपस्तिथ थीं ।

मां ने मासूम को फंदे पर लटकाया, खुद भी देनी चाही जान

महोबा (उत्तरशक्ति)। महोबा जिले के गांधीनगर में पति से फोन पर हुए विवाद के बाद महिला ने एक वर्ष की बेटी को फंदे पर लटका दिया, इससे मासूम की मौत हो गई। इस दौरान महिला ने भी फंदा लगाकर आत्महत्या का प्रयास किया, लेकिन वह बच गई। जन्मदिन से एक दिन पहले मासूम की जान लेने की इस घटना से हर कोई हैरान है। पुलिस ने आरोपी मां को गिरफ्तार कर जांच शुरू कर दी है। सुभाषनगर निवासी खुशबू (33) की शादी 8 जुलाई, 2022 को कस्बा चरखारी निवासी अरविंद से हुई। शादी के दो साल बाद ही दोनों को एक बेटी हुई, जिसका नाम उन्होंने त्रक्षिका रखा। शराब पीकर पति के मारपीट करने पर पांच माह पहले खुशबू मायके आ गई थी। सुबह पति से मोबाइल पर बातचीत के दौरान कहासुनी हो गई। पति ने तलाक देने और बेटी को ले जाने की बात कही। इसके बाद महिला ने कमरे में जाकर पहले मासूम बेटी को फंदे पर लटकाया और फिर खुद फंदा लगाकर जान देने की कोशिश की, लेकिन वह बच गई जबकि मासूम की मौत हो गई। खुशबू की मां उमारानी ने बताया कि दामाद अरविंद बेरोजगार है। अक्सर शराब पीकर बेटी को मारता-पीटता था, जिससे परेशान होकर खुशबू बेटी के साथ मायके में थी। पति की प्रताड़ना के चलते उसकी मानसिक स्थिति भी खराब हो गई थी। उसका इलाज चल रहा था। पति से फोन पर झगड़ा होने के बाद बेटी ने यह कदम उठाया। मासूम की हत्या के बाद खुशबू ने अपने भाई पवन से कहा कि मैंने त्रिष्ठा को जान से मार दिया है। पुलिस बुला लो। तब परिजनों को घटना की जानकारी हुई। अपर एसपी वंदना सिंह का कहना है कि आरोपी मां को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिस अधिकारियों को पुलिस कमिश्नर द्वारा सम्मानित

विरार (उत्तरशक्ति)। बसई पूर्व में आपको बता दे की एन.डी.पी.एस. अधिनियम की धारा 8(ए), 21(ए) के अनुसार गु, संख्या 555/202511/09/2025 को, क्राइम ब्रांच सेल-3 को अपने संवाददाता से एक रिपोर्ट मिली कि 1 समुंदर सिंह रूप सिंह देवड़ा, उम्र 49 वर्ष, निवासी सिरोही, राजस्थान, 2 युवराज सिंह भवानी सिंह राठौड़ उम्र 28 वर्ष, निवासी जोधपुर, राजस्थान, 3 तकत सिंह करण सिंह राजपूत उम्र 38 वर्ष, निवासी जोधपुर, राजस्थान, जो नशीले पदार्थों की बिक्री के लिए वसई पूर्व, फादरवाड़ी आए थे, को गिरफ्तार किया गया और उनके पास से 2 किलो 11 ग्राम हेरोइन जिसकी कीमत 8,04,40,000/- रुपये और एक स्विफ्ट कार और मोबाइल जिसकी कीमत 5,65,000/- रुपये है, जब्त किया गया। उपरोक्त तीनों व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। और उक्त अपराध की जांच क्राइम ब्रांच सेल-3 विरार द्वारा की जा रही है। मुख्य आरोपी, हरि सिंह तेज सिंह रावलोती भाटी, उम्र 55 वर्ष, उक्त अपराध की विवेचना में गिरफ्तार अभियुक्तों को मादक पदार्थ हेरोइन की आपूर्ति करने वाले जैसलमेर, राजस्थान राज्य को गहन जांच के उपरान्त दिनांक 25/09/2025 को मंडार, तहसील रेवदर, जिला सिरोही, राजस्थान से गिरफ्तार किया गया। उससे की गई पूछताछ में पता चला कि अपराध में जब्त 2 किलोग्राम हेरोइन उसने पाकिस्तान से मंगवाई थी।

उपर्युक्त कार्य करने वाले निम्नलिखित पुलिस अधिकारी और कर्मचारीः 1 पु, नि शाहू राज रनवारे, 2 पुनि सुहास कांबले, 3 पु,नि/रामचंद्र पाटिल 4 पोहवा/07093 सागर बारावकर, 5 पोहवा/13095 युवराज वाघमोडे, को 14/10/2025 को आयोजित मासिक अपराध समीक्षा बैठक में पुलिस आयुक्त निकेत कौशिक द्वारा सितंबर महीने के लिए दोषसिद्धि प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

मदरसे में विज्ञान की गूंज, कलाम के विचारों से बच्चों ने ली प्रेरणा

सुरेश गांधी

भदोही। उत्तर प्रदेश सरकार के निदेर्शानुसार बुधवार को मदरसा अरबिया मदीनतूल इल्म, पीरखापुर में भारत रत्न, पूर्व राष्ट्रपति और मिसाइल मैन के नाम से प्रसिद्ध स्वर्गीय डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर मदरसे में विज्ञान प्रदर्शनी का शानदार आयोजन हुआ, जिसमें बच्चों ने अपने वैज्ञानिक कौशल और कल्पनाशक्ति का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं दर्जा प्राप्त पूर्व राज्यमंत्री एवं भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य सरवर सिद्दीकी ने विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए सभी मॉडलों का बारीकी से अवलोकन किया और बच्चों की सराहना की। उन्होंने कहा कि डॉ. अब्दुल कलाम सच्चे अर्थों में भारत माता के सपूत थे। उन्होंने सीमित संसाधनों से अपनी शिक्षा आरंभ की और मदरसे से ही प्राथमिक शिक्षा प्राप्त की थी। आगे चलकर उन्होंने भारत को परमाणु शक्ति संपन्न देश बनाया और अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में उल्लेखनीय योगदान दिया। श्री सिद्दीकी ने कहा, कलाम साहब ने सिखाया कि गरीबी या अभाव किसी की सफलता में बाधा नहीं हो सकते, यदि मन में लगन और लक्ष्य के प्रति समर्पण हो। प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने सौर ऊर्जा, जल संरक्षण, पर्यावरण संतुलन, स्मार्ट विलेज, तथा डिजिटल इंडिया से जुड़े आकर्षक मॉडलों को प्रदर्शित किया। बच्चों की प्रस्तुतियों ने उपस्थित अतिथियों और शिक्षकों को प्रभावित किया। मुख्य अतिथि ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को मेडल व प्रमाणपत्र प्रदान कर सम्मानित किया। बच्चों के चेहरों पर सम्मान प्राप्त करने की खुशी झलक रही थी। प्रदर्शनी स्थल पर बच्चों की जिज्ञासा और वैज्ञानिक, दृष्टिकोण देखकर सभी शिक्षक गर्वित दिखे। इस मौके पर मदरसा के प्रधानाचार्य ने कहा कि आज के बच्चे देश के भविष्य हैं, और डॉ. कलाम जैसी महान विभूतियाँ उनके लिए प्रेरणास्त्रोत हैं।

इसुजु मोटर्स इंडिया की ओर से मुंबई में नए डीलर पार्टनर इंडेक्स इसुजु की नियुक्ति

मुंबई। महाराष्ट्र में अपनी उपस्थिति को और मजबूत करने की दिशा में इसुजु मोटर्स इंडिया ने मुंबई में अपनी दूसरी डीलरशिप –इंडेक्स इसुजु – का शुभारंभ किया। यह शोरूम बोरिवली (पश्चिम) स्थित एसवीपी कॉलेज मार्ग पर लगभग 1800 वर्ग मीटर के क्षेत्र में फैला हुआ है। इसुजु वाहन मालिकों को उत्कृष्ट और निर्बाध ब्रांड अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से इस शोरूम को आधुनिक रूप से डिजाइन किया गया है। इसुजु मोटर्स इंडिया के उप-प्रबंध निदेशक तोरू किशिमोटो, इसुजु मोटर्स इंडिया तथा इंडेक्स इसुजु के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में इस नई डीलरशिप का उद्घाटन किया गया। यह मुंबई में इसुजु की दूसरी डीलरशिप है और भारत में कंपनी के कुल 92 डीलर नेटवर्क में एक और नई कड़ी के रूप में जुड़ी है। इस डीलरशिप ने अपने संचालन की शुरूआत चार र-उअइ वाहनों की डिलीवरी से की। उद्घाटन अवसर पर इसुजु मोटर्स इंडिया के उप-प्रबंध निदेशक तोरू किशिमोटो ने कहा मुंबई में इस नई डीलरशिप की शुरूआत के माध्यम से हमारी साझेदारी और अधिक मजबूत हो रही है। महाराष्ट्र इसुजु के प्रमुख विकासशील बाजारों में से एक है, और यह नई सुविधा हमारे ग्राहकों के और करीब पहुंचने की हमारी प्रतिबद्धता को और सशक्त बनाती है। हमारी प्राथमिकता सदैव उत्कृष्ट सेवा, असाधारण विश्वसनीयता और लाभदायक स्वामित्व अनुभव प्रदान करने की रही है। इंडेक्स इसुजु जैसे भरोसेमंद साझेदारों के सहयोग से हम सुनिश्चित करते हैं कि प्रत्येक ग्राहक को इसुजु ब्रांड की गुणवत्ता, देखभाल और विश्वास का अनुभव मिले। राजन शर्मा, डीलर प्रिंसिपल, इंडेक्स इसुजु ने कहा कि यह नया टच पॉइंट ब्रांड की उत्कृष्ट ग्राहक सेवा और परिचालन कुशलता के प्रति उनकी निरंतर प्रतिबद्धता को दशार्ता है।इस नई सुविधा के माध्यम से इसुजु ब्रांड का प्रतिनिधित्व करना हमारे लिए गर्व की बात है। हमारा ध्यान गुणवत्ता, भरोसे और विश्वसनीयता के उन मानकों को बनाए रखने पर है जो इसुजु की पहचान हैं। हमारा उद्देश्य इस क्षेत्र और आसपास के सभी इसुजु ग्राहकों को संपूर्ण संतोष और उत्कृष्ट बिक्री व सेवा अनुभव प्रदान करना है।

बहुजन विकास अघाड़ी के पूर्व पदाधिकारी भाजपा में शामिल

वसई रोड। भाजपा महाराष्ट्र प्रदेश कार्यालय, नरीमन पॉइंट, मुंबई में एक भव्य समारोह में बहुजन विकास अघाड़ी के पूर्व पार्षदों, पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। यह पक्षप्रवेश भाजपा महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र (दादा) चव्हाण और वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश महामंत्री विक्रांत पाटिल, केरल प्रकोष्ठ महाराष्ट्र संयोजक उत्तम कुमार, भाजपा वसई-विरार जिला महामंत्री बिजेंद्र कुमार, अल्पसंख्यक मोर्चा जिलाध्यक्ष मैथ्यू कोलासो, एवं अन्य गणमान्य नेता भी उपस्थित थे। इस अवसर पर वसई क्षेत्र से विभिन्न सामाजिक, राजनीतिक व व्यावसायिक क्षेत्र के प्रमुख चेहरों ने भाजपा की राष्ट्रवादी विचारधारा से प्रेरित होकर पार्टी में प्रवेश किया। इनमें प्रमुख नाम विशाल नगर रेजिडेंस एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष विशाल नागर, वसई केबल प्रा. लि. निदेशक प्रदीपभाई नरसिंह पवार, नैशाद पारिख, राजेंद्र चाफेकर, अमोल पाटिल महापौर, गणेशोत्सव मंडल, और अन्य सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि मीडिया क्षेत्र से दैनिक चौफेर संघर्ष के संपादक कैलास रंगनेकर, दिव्य मानस के संपादक सुधीर चौधरी, साप्ताहिक युग प्रवास के संपादक शिवम मिश्रा, शिक्षक, सीए, रिटायर्ड बैंक अधिकारी, चार्टर्ड अकाउंटेंट और सामाजिक कार्यकर्ता, युवा नेता व सामाजिक मंडलों के पदाधिकारी जैसे साईराज पवार, अनिकेत परब, अमित पांडे, प्रो. रमेश टांक, आदि शामिल हैं। इन सभी ने राष्ट्रहित, समाजहित और वसई के विकास के संकल्प के साथ भाजपा में प्रवेश किया। भाजपा नेतृत्व ने नए सदस्यों का स्वागत करते हुए विश्वास जताया कि ये सभी कार्यकर्ता पार्टी की विचारधारा को मजबूत करते हुए संगठनात्मक कार्य में सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

बिंद समाज विकास संघ के वार्षिक सम्मेलन में विद्यार्थियों ने अपने कला कौशल से किया मनमुग्ध

मुंबई(उत्तरशक्ति)। रविवार को बिंद समाज विकास संघ द्वारा आयोजित वार्षिक सम्मेलन में नन्हे मुन्ने विद्यार्थियों ने अपने कला कौशल दिखाते हुए एक से एक सुंदर और बेहतरीन डांस कला का परिचय दिया, देश समाज को अपने आगोश में जकड़ता हुआ, अपराधिक कुरीतियों जैसे, नशाखोरी, दहेजप्रथा, रिश्वतखोरी, भ्रष्टाचार, मोबाइल से हो रहे मन मस्तिष्क पर पड़ने वाली बुराइयों पर एक रचनात्मक, नाटक दिखाकर युटुब फेसबुक इंस्टाग्राम ट्विटर टिक टॉक जैसे तमाम बिंदुओं पर सभी का ध्यान आकर्षित करते हुए, भावविभोर कर दिया, संघ द्वारा निःशुल्क नोटबुक वितरण झवेर बेन पोपटलाल सभागृह हॉल घाटकोपर ईस्ट मुंबई म जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में अपर जिला मजिस्ट्रेट मेरठ के अमरीश बिंद, ने हॉल परिसर में खचाखच भरी भीड़ को संबोधित करते हुएं कहा कि शिक्षा विकास की जननी है सभी समाज के समाजसेवियों से अपील की अपने बच्चों को शिक्षा और सामाजिक व्यवहारिक गुणों से मजबूत बनाएं, कार्यक्रम में शामिल सभी वक्तागणों ने शिक्षा से लेकर तमाम बिंदुओं पर अपने-अपने विचारों का आदान-प्रदान किया और देश समाज के विकास में भागीदारी देने की अपील की बिंद समाज विकास संघ ने लगभग 450 विद्यार्थियों को नोटबुक पेन पेंसिल रबर कॉलेज बैग देकर प्रोत्साहित किया।

राज्य सरकार ने 'ओसी अभय योजना' को दी हरी झंडी

मुंबई। पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी के नेतृत्व वाली 'भाजपा ओसी अभ्यास कमिटी' का अभ्यास आखिरकार रंग ले आया है। ओसी विहीन इमारतों में रहनेवाले हजारों फ्लैटधारकों के हित में अभ्यास कमिटी के सुझाव के बाद राज्य सरकार ने ओसी अभय योजना को हरीझंडी दे दी है। सरकार के इस जनहित वाले फैसले का पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी ने स्वागत किया है और इसके साथ-साथ उन्होंने सांस्कृतिक कार्य मंत्री तथा उप नगर के पालक मंत्री एड. आशिष शेलार को पत्र भी लिखा है। जनसेवक गोपाल शेट्टी ने पत्र में उल्लेख करते हुए कहा है कि ताड़देव की वेलिंगटन सोसायटी का मामला अदालत में आने के बाद (जिसमें ओसी न होने के कारण संबंधित इमारत को खाली करने का अदालत द्वारा आदेश दिया गया) उस घटना के बाद मैं बहुत बेचैन हो गया था, क्योंकि मुंबई महानगर पालिका में नगरसेवक के रूप में काम करते हुए, ओसी न मिलने वाली इमारतों के बारे में मैंने गहन अध्ययन किया था, इसलिए इस विषय की जटिलता मुझे अच्छी तरह से पता थी। अगर अदालत का वह आदेश सभी ओसी विहीन इमारतों पर लागू होता, तो मुंबई शहर में भारी अशांति फैल जाती और नागरिकों को अनावश्यक परेशानी का सामना करना पड़ता। इसलिए मुझे इस मामले में पहल करनी पड़ी। जनसेवक शेट्टी ने आगे लिखा है कि शुरूआत में कई लोगों ने सवाल उठाया भी कि मुंबई की बहुमंजिला इमारतों के मुद्दे में गोपाल शेट्टी को हस्तक्षेप करने की क्या जरूरत है? लेकिन उस क्षेत्र के विधायक और मुंबई के पालकमंत्री मंगलप्रभात लोढा ने खुद मुझसे इस मामले में ध्यान देने का अनुरोध किया था। इसके बाद मैंने मुंबई भाजपा अध्यक्ष अमित साटम से एक समिति गठित करने का अनुरोध किया, जिसे उन्होंने तुरंत स्वीकार कर लिया और मुझे उस समिति का अध्यक्ष बनाया।

मुझे विश्वास है कि यह निर्णय केवल मुंबई तक ही सीमित नहीं रहेगा, बल्कि आने वाले समय में पूरे महाराष्ट्र के लिए लागू किया जाएगा। इसी तरह, मैंने पहले जिन चार महत्वपूर्ण विषयों पर काम किया था, उनमें से एक संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान में पुनर्वसन के मामले में भी अदालत ने सरकार को आदेश दिया है, जिससे मुझे विश्वास है कि यह मामला भी जल्द ही सुलझ जाएगा। तीसरा महत्वपूर्ण मुद्दा 1962 की डेटम लाइन की सीमा को 2011 तक बढ़ाने का है, जिसके लिए भी मैंने आपसे अनुरोध किया था। आपने असीम गुप्ता के साथ बैठक करके उस पर भी समुचित कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

महाराजगंज विधानसभा से दो प्रत्याशियों ने किया नामांकन

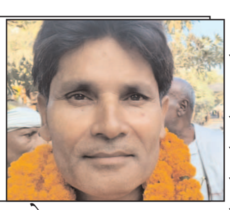

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज अनुमंडल कार्यालय में 111-गोरियाकोठी और 112-महाराजगंज विधानसभा का नामांकन अलग-अलग कक्षा में दिया जा रहा है। गोरियाकोठी विधान सभा का आरओ डीसीएलआर अमन कुमार व महाराजगंज विधानसभा क्षेत्र के आर ओ एसडीएम अनीता सिन्हा बनाई गई है। बुधवार के दिन महाराजगंज विधानसभा से दो प्रत्याशियों ने नामांकन का पर्चा भरा। जनसुराज के प्रत्याशी के रूप में सुनील राय और पॉलिटिकल पार्टी ऑफ इंडिया से विकाश कुमार सिंह ने एसडीओ के समक्ष नामांकन किया। वही गोरेयाकोठी विधान सभा क्षेत्र से पीपुल्स ऑफ इंडिया से त्रिभुवन राम और निर्दल अशोक कुमार वर्मा ने अपना पर्चा रिटर्निंग ऑफिसर महाराजगन के डीसीएलआर अमन आनंद के समक्ष अपना पर्चा दाखिल किया। गोरिया कोठी से जनसुराज पार्टी से पर्चा दाखिल करने आए थे लेकिन उनका आवश्यक कागजात उपलब्ध नहीं होने के कारण उनका नामांकन नहीं हो पाया। महाराजगंज अनुमंडल में नामांकन के शेष 2 दिन बचे हैं अभ्यर्थियों को नामांकन करने का सिलसिला कछुए की चाल से चल रहा है। अभी तक महाराजगंज से 10 और गोरेयाकोठी से अबतक 9 नजरी रसीद कटाया गया।

पर्व को देखते हुए बरसठी थाना क्षेत्र में सुरक्षा

बरसठी ,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। धनतेरस एवं दीपावली पर्व को देखते हुए बरसठी थाना क्षेत्र के निगोह बाजार में सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने पहुंचे क्षेत्राधिकारी मड़ियाहूं गिरेंद्र सिंह ने बुधवार को आभूषण व्यवसायियों के साथ बैठक कर उन्हें महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए। सीओ ने कहा कि त्योहारों के समय बाजारों में भीड़ रहती है, ऐसे में चोर, उचक्के व असामाजिक तत्व सक्रिय हो जाते हैं। इसलिए सभी व्यापारी सतर्क रहें और किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि की तुरंत सूचना पुलिस को दें। उन्होंने आभूषण दुकानदारों से कहा कि अपनी दुकानों के बाहर व अंदर लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच कर लें और यदि कोई कैमरा खराब है तो उसे तत्काल सही कराएं। इससे पुलिस को अपराध नियंत्रण और जांच में मदद मिलेगी।

सीओ गिरेंद्र सिंह ने कहा कि पुलिस की गश्त और निगरानी बढ़ा दी गई है। थाना प्रभारी देवानंद रजक के नेतृत्व में पुलिस टीम नियमित रूप से बाजारों में भ्रमण कर रही है ताकि क्षेत्र में शांति व सुरक्षा बनी रहे। उन्होंने सभी व्यापारियों से अपील की कि वे भीड़भाड़ के समय चौकन्ना रहें, दुकानों पर कर्मचारियों को भी सतर्क रखें और नकद लेन-देन के दौरान विशेष सावधानी बरतें। क्षेत्राधिकारी ने भरोसा दिलाया कि पुलिस प्रशासन हर समय जनता की सेवा में तत्पर है, और त्योहार शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो इसके लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

वाराणसी में महिला आयोग सदस्य गीता विश्वकर्मा ने की जनसुनवाई

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य गीता विश्वकर्मा की अध्यक्षता में बुधवार को सर्किट हाउस के सभागार में जनसुनवाई आयोजित की गई। इस दौरान महिलाओं से संबंधित कई मामलों की सुनवाई की गई और अधिकारियों को उनके शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए गए। जनसुनवाई के दौरान एक महिला की गुहार सुनने के बाद माहौल उस समय गर्म हो गया जब आयोग सदस्य गीता विश्वकर्मा ने दशाश्वमेध थाने में तैनात दरोगा को कड़ी फटकार लगाई। आरोप है कि दरोगा ने पीड़ित महिला से दुर्व्यवहार किया था। इस पर नाराजगी जताते हुए गीता विश्वकर्मा ने स्पष्ट कहा कि किसी भी महिला के साथ असम्मानजनक व्यवहार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने संबंधित अधिकारी से मामले की पूरी जांच रिपोर्ट जल्द तलब करने के निर्देश दिए। इसके अलावा जनसुनवाई में तीन से चार अन्य प्रकरण भी आए, जिनमें ज्यादातर मामले राजस्व विभाग से संबंधित रहे। मुआवजा और भूमि अधिग्रहण से जुड़े मामलों को लेकर महिला आयोग सदस्य ने संबंधित विभागों को निर्देश दिया कि शिकायतों का शीघ्र और निष्पक्ष निस्तारण किया जाए। मीडिया से बातचीत में गीता विश्वकर्मा ने कहा कि महिला आयोग महिलाओं के अधिकारों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि यदि किसी भी थाने में महिला को न्याय न मिल सका और उसे आयोग तक आना पड़ा, तो संबंधित थानेदार और चौकी प्रभारी पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि घरेलू हिंसा और महिला उत्पीड़न के मामलों में पुलिस को संवेदनशील रवैया अपनाना होगा, अन्यथा आयोग स्वयं कार्रवाई करेगा।

बिंद समाज विकास संघ द्वारा निःशुल्क नोटबुक वितरण सुचारू रूप से संपन्न

मुंबई (उत्तरशक्ति)। रविवार को बिंद समाज विकास संघ द्वारा आयोजित वार्षिक सम्मेलन नोटबुक वितरण झवेर बेन पोपटलाल सभागृह हॉल घाटकोपर ईस्ट मुंबई में सुचार रूप से संपन्न हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में अपर जिला मजिस्ट्रेट मेरठ के अमरीश बिंद, ने हॉल परिसर में खचाखच भरी भीड़ को संबोधित करते हुएं कहा कि शिक्षा विकास की जननी है सभी समाज के समाजसेवियों से अपील की अपने बच्चों को शिक्षा और सामाजिक व्यवहारिक गुणों से मजबूत बनाएं, कार्यक्रम में शामिल सभी वक्तागणों ने शिक्षा से लेकर तमाम बिंदुओं पर अपने-अपने विचारों का आदान-प्रदान किया और देश समाज के विकास में भागीदारी देने की अपील की बिंद समाज विकास संघ ने लगभग 450 विद्यार्थियों को नोटबुक पेन पेंसिल रबर कॉलेज बैग देकर प्रोत्साहित किया, बच्चों ने आजकल मोबाइल से हो रहे मन मस्तिष्क पर पड़ने वाले बुरे प्रभाव पर एक रचनात्मक नाटक दिखाकर युटुब फेसबुक इंस्टाग्राम ट्विटर टिक टॉक के मन मस्तिष्क पर जो बुरे प्रभाव पड़ते हैं कितना असर पड़ता है रोग से ग्रसित होते है बहुत ही सुंदर रचनात्मक नाटक लोगों को भाव विभोर करने पर मजबूर कर दिया। समाज सुधारक संत रामरूप बिंद रंजीत कुमार बिंद, डॉ सुजीत ,अमरेंद्र बहादुर बिंद, अवधेश कुमार बिंद, सी ए किशोरी लाल बिंद, सी ए बड़ेलाल बिंद, राजेंद्र प्रसाद निषाद, गोवा अध्यक्ष धीरज कुमार बिंद,मोहनलाल बिंद, अशोक बिंद राधेश्याम बिंद,नंदलाल बिंद सुरेश बिंद ,विकास मोहन बिंद डॉ ,बबलू बिंद,कमलेश कुमार बिंद, लोको पायलट चंदन बिंद,सूरत जिला अध्यक्ष संजय कुमार बिंद,गुलाब चंद्र बिंद,पूर्व गाजीपुर ब्लॉक प्रमुख उर्मिला देवी बिंद,अशोक बिंद इंजीनियर रत्नेश कुमार बिंद, नंदलाल बिंद, आर्मी अनिल बिंद, बबलू बिंद, श्रीधर बिंद, सुनीता बिंद, सूरत प्रदेश अध्यक्ष बिंदु बिंद ,संजना बिंद ,ज्योति बिंद, रीता राय, मीनाक्षी देवी,माधुरी बिंद इत्यादि लोग मौजूद रहे।

वरिष्ठ पत्रकार राजमल जैन पेमावत को मातृ शोक

मुंबई (उत्तरशक्ति)। ममता की महासागर मां का महाप्रयाण श्री दिगम्बर जैन चितौड़ा समाज मुंबई एवं मेवाड़ के समस्त पंचों से अपील किया है कि मुम्बई स्थित माटुंगा निवासी वरिष्ठ पत्रकार राजमल जैन पेमावत की मातोश्री धनूबाई स्व.श्री जसराज जी पेमावत उम्र 92 वर्ष में अपने बड़े पुत्र के आवास पर मुंबई के कांदिवली में अंतिम सांस ली। श्रीमति धनूबाई निवासी सेमाल वालों का आकस्मिक स्वर्गारोहण दिनांक 14 अक्टूबर 2025 दिन मंगलवार रात्रि 11 बजे हो गया है। जिनको पंच तत्व में विलीन करने 15 अक्टूबर 2025 वार बुधवार प्रातः 9 बजे भाई दाड़मचंद पेमावत के निवास स्थान सिंह इस्टेट आजादवाडी, रोड़ नंबर 5 नैयर ठाकुर कालेज के पास कांदिवली ईस्ट से हनुमान नगर वडारपाडा कांदिवली श्मशान भूमि में पंचतत्व में विलीन हो गई। स्वर्गीय मातोश्री श्रीमती धनूबाई के चार पुत्र और दो पुत्री है। अपने पिछे भरा-पूरा परिवार छोड़ गई है।

सड़क दुर्घटना में 62 वर्षीय वृद्ध की मौत

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज थाना क्षेत्र के अंतर्गत अनुमंडल कार्यालय के सामने बसंतपुर - महाराजगंज सड़क पर बीते दिन मंगलवार के दिन महाराजगंज बैंक से पैसा निकालने जा रहे 62 वर्षीय वृद्ध की मौत महाराजगंज अनुमंडल कार्यालय के सामने महाराजगंज- बसंतपुर सड़क पर ट्रैक के नीचे आ जाने से हो गई। बताया जाता है कि स्थानीय थाना क्षेत्र की सिकटिया गांव निवासी देव प्रिया प्रसाद अपने भिक्की गाड़ी से महाराजगंज बैंक से पैसा निकालने जा रहे थे। अचानक ट्रक के चपेट में आजाने से ट्रक के पीछे का चक्का उनके शरीर पर चढ़ गया। आसपास के लोगों ने अफरा -तफरी में अनुमंडल अस्पताल ले गए जहां डॉक्टर ने स्थिति गंभीर देखते हुए सिवान सदर अस्पताल में रेफर कर दिया। सदर अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टर ने जख्मी को मृत घोषित कर दिया। परिजन शव लेकर घर पहुंच गए। जहां परिजन द्वारा अंतिम दाह संस्कार कर दिया गया। मृतक बिहार पुलिस से अवकाश लेकर घर आया था। ट्रैक्टर खरीदने के लिए बैंक से पैसा निकालने जा रहा था।

फेडएक्स के विशाल तलवार ने आईआईटी बॉम्बे में एआई सप्लाई चेन पर चर्चा की

मुंबई। फेडएक्स कॉर्पोरेशन के एक्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट, चीफ डिजिटल एंड इंफॉर्मेशन ऑफिसर तथा फेडएक्स डेटावर्क्स के प्रेसिडेंट विशाल तलवार ने आईआईटी बॉम्बे का दौरा किया। इस अवसर पर उन्होंने आईआईटी बॉम्बे और आईआईटी मद्रास के फैकल्टी सदस्यों तथा छात्रों के साथ संवाद किया। उन्होंने तकनीक-आधारित सप्लाई चेन समाधानों पर छात्रों के साथ विचार-विमर्श किया। यह दौरा अकादमिक विशेषज्ञता के सहयोग से डिजिटल रूप से संचालित, कुशल और लचीली सप्लाई चेन विकसित करने की फेडएक्स की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

ग्राम रोहियाव, मधुपुर में राम लक्ष्मण सीता हनुमान की भव्य झांकी, मेले में उमड़ा जनसैलाब

जौनपुर। जौनपुर जिला के ग्राम रोहियांव, पोस्ट मधुपुर में विगत कई वर्षों से आयोजित हो रहे मेले की परंपरा को इस वर्ष भी श्रद्धा और उत्साह के साथ आगे बढ़ाया गया। यह आयोजन स्वर्गीय बद्री प्रसाद मिश्र द्वारा शुरू किया गया था, जो अब क्षेत्र की एक सांस्कृतिक पहचान बन चुका है।

इस वर्ष भी नवमी के दिन, बुधवार को भव्य मेले का आयोजन किया गया, जिसमें विशेष रूप से राम, लक्ष्मण, सीता एवं हनुमान की झांकी निकाली गई। यह झांकी पूरे क्षेत्र के आकर्षण का केंद्र रही और धार्मिक वातावरण से पूरा गाँव गुंजायमान हो उठा। दूर-दराज से आए महिला-पुरुषों और बच्चों ने मेले में बढ़-चढ़कर भाग लिया और आयोजन का भरपूर आनंद उठाया। मेले में बच्चों के लिए खेल-तमाशों, झूलों और खानपान की विशेष व्यवस्था की गई थी, जिससे सभी वर्ग के लोग प्रसन्न नजर आए। झांकी और मेले की व्यवस्था प्रिंस मिश्रा, आशू मिश्रा एवं उत्तर शक्ति के रिपोर्टर आदित्य की देखरेख में की गई, जिन्होंने आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

शहरी सेवा शिविर में आयुर्वेद चिकित्सा से मिली कई रोगियों को राहत, यहां थैरेपी रही आकर्षण का बिन्दु

उदयपुरवाटी। नगर के जमात स्कूल परिसर में चले शहरी सेवा शिविर के अंतर्गत आयुर्वेद विभाग द्वारा चिकित्सा एवं परामर्श शिविर का सफल आयोजन हुआ ।तीन दिन चले शिविर में 3आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी व यूनानी के डॉक्टर ने सेवा दी। मिली जानकारी के अनुसार प्रथम दिन वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. राजेन्द्र कुमावत के नेतृत्व में रोगियों को आयुर्वेदिक औषधियों एवं थैरेपी पंचकर्म चिकित्सा द्वारा उपचार प्रदान किया गया ।दूसरे दिन डॉ ब्लॉक चिकित्सालय के वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी रोहिताश्व शर्मा व बुधवार को डॉ नीरज सैनी ने यहां लास्ट ड्यूटी दी।

ब्लॉक आयुर्वेद नोडल अधिकारी डॉ राजेंद्र कुमावत ने शिविर की उपलब्धता बताते हुए कहा कि एक ही स्थान पर तीन दिन तक चले इस शहरी शिविर में कुल 115 रोगियों को मौके पर ही आयुर्वेदिक उपचार दिया गया, वहीं 44 लोगों को जीवनशैली व आहार-संबंधी परामर्श भी प्रदान किया गया तथा 75 जनों ने काढ़ा पिया। तो वहीं यूनानी के डॉ जाबीर खान ने 56 रोगियों को इस पैथी की दवा दी। कंपाउडर दीपक शर्मा ने विशेष थैरेपी देकर कैंप के दौरान करीब 60 जनों को दर्द से राहत दिलाई ।आयुष की इन चिकित्सा पद्धतियों से रोगियों को राहत तो पहुंचाई ही गई है,साथ ही जन जन तक आयुर्वेद की निरापद चिकित्सा को घर घर पहुंचाने का काम भी विभाग द्वारा किया गया है ।स्नेहन,अभ्यंग और अलाबू थेरेपी के साथ ही मर्म चिकित्सा,फायर कपिंग एवं वेट कपिंग थैरेपी का लाभ देकर घुटनों का दर्द,कमर दर्द,माइग्रेन एवं सर्वाइकल स्पॉन्डिलाइटिस जैसी समस्याओं से जूझ रहे रोगियों के चेहरों पर मुस्कान देखने को मिली ।उन्होंने पुराने दर्द में राहत पाई। शिविर में नर्स पूजा शर्मा,दीपक शर्मा व महेंद्र कुमार नारनौलिया (यूनानी)ने भी लगातार सेवा दी।

चॅलेट होटल्स ने प्रीमियम लाइफस्टाइल हॉस्पिटैलिटी ब्रांड अथिवा लॉन्च किया

मुंबई। चॅलेट होटल्स लिमिटेड (सीएचएल) ने आज अथिवा होटल्स एंड रिसॉर्ट्स के लांच की घोषणा की है। यह प्रीमियम लाइफस्टाइल हॉस्पिटैलिटी ब्रांड 6 होटलों और उनमें मौजूद 900 से अधिक कमरों के साथ डेब्यू कर रहा है। संस्कृत से लिया गया शब्द अथिवा““abundance” और “to a great extent” अर्थों को प्रकट करता है। अथिवा सीएचएल का प्रॉपराइटरी ब्रांड है जो आनंद, सस्टेनेबिलिटी और वैलनेस के सिद्धांतों पर आधारित है, यह अपने अतिथियों को वह मुहैया कराता है जिसकी वे अपेक्षा रखते हैं और साथ ही उनकी उम्मीदों से बढ़कर उन्हें आनंद प्रदान करता है। अथिवा ब्रांड ने खंडाला स्थित आईकॉनिक द ड्यूक्स रिट्रीट के रूपांतरण के साथ अपनी शुरूआत की है, जिसे अब अथिवा रिजॉर्ट एंड स्पा, खंडाला के रूप में ढाला गया है। 11 शानदार सुइट्स सहित 147 कमरों वाला यह होटल रिफाइंड लक्जरी, असली स्थानीय अनुभवों और जिम्मेदार अभ्यासों का प्रतीक है, जो इसे एक प्रीमियम जीवन शैली वाले स्थल रूप में स्थापित करते हैं। इस होटल के अलावा, चॅलेट ने समय के साथ पांच और प्रॉपर्टीज की पहचान की है जो आने वाले दिनों में ब्रांड अथिवा के तहत आएंगे। इनमें नवी मुंबई में एक पूरी तरह से रिनोवेटेड बिजनेस होटल, द रिजॉर्ट ऐट् अक्सा बीच, के. रहेजा कॉर्प ग्रुप का एक होटल और तीन निमार्णाधीन ग्रीनफील्ड प्रोजेक्ट (दो गोवा में और एक तिरुवनंतपुरम में) शामिल हैं। लांच के समय 900 से ज्यादा कमरों के साथ, तीन वर्षों के भीतर क्षमता को दोगुना करने की योजना के साथ, अथिवा भारत में एक रणनीतिक लाइफस्टाइल हॉस्पिटैलिटी रोलआउट का प्रतिनिधित्व करता है, जो यात्रा के भविष्य के लिए एक साहसिक, अनुभव-प्रधान दृष्टिकोण के साथ चॅलेट होटल्स की ब्रांड शक्ति का लाभ उठाता है। चॅलेट होटल्स लिमिटेड के एमडी और सीईओ डॉ. संजय सेठी ने कहा, अथिवा के साथ, हम आज के भारत के लिए निर्मित एक ब्रांड में चॅलेट होटल्स का भरोसा, विश्वसनीयता और परिचालन उत्कृष्टता लाते हैं - बिजनेस, लैजर, ब्लीजर और एमआईसीई मेहमानों का एक निरंतर वादे के साथ स्वागत करते हैं जिसमें शामिल हैंः भरपूर आनंद, वैलनेस और देखभाल। हमारे पहले अथिवा रिजॉर्ट और स्पा, खंडाला से शुरू करते हुए, हम अनुशासन और दिल से आगे बढ़ेंगे - हम ऐसे अनुभव प्रदान करेंगे जो आनंददायक, वैलनेस-फर्स्ट और सस्टेनेबली क्यूरेट किए गए हों।

पूर्व सांसद अर्जुन यादव की पुण्यतिथि पर सर्व धर्म सभा का हुआ आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले की शान, गरीबों और मजलूमों के मसीहा, पूर्व विधायक एवं पूर्व सांसद स्व. अर्जुन सिंह यादव की 27वीं पुण्यतिथि के अवसर पर एक सर्व धर्म श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता के. पी. सोनकर, राष्ट्रीय महासचिव, भारत मुक्ति पार्टी ने की तथा संचालन एडवोकेट राम कृपाल यादव (आंबेडकरवादी) द्वारा किया गया। इस अवसर पर जिले के विभिन्न राजनैतिक दलों एवं सामाजिक संगठनों के सम्मानित व्यक्तित्वों ने पहुँच कर अर्जुन सिंह यादव के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी और उनके द्वारा किए गए संघर्षों, जनसेवा और समाजिक न्याय के कार्यों को याद किया। श्रद्धांजलि सभा में विभिन्न राजनीतिक दलों, सामाजिक संगठनों और बुद्धिजीवियों ने एक साथ आकर स्व. अर्जुन सिंह यादव के संघर्षमय जीवन, सामाजिक चेतना और जनसेवा के कार्यों को याद किया। सभी वक्ताओं ने कहा कि स्व. अर्जुन सिंह यादव ने अपना संपूर्ण जीवन गरीबों, किसानों, मजदूरों और शोषितों के अधिकारों की लड़ाई में समर्पित किया। वे एक ऐसे जन नेता थे जिन्होंने सदैव सच्चाई, ईमानदारी और समाजवाद के मार्ग पर चलकर जनहित की राजनीति की। उनके योगदान को आने वाली पीढ़ियाँ सदैव याद रखेंगी। अर्जुन सिंह यादव की आत्मा की शांति हेतु ईश्वर से प्रार्थना की गई और एक सर्व धर्म सभा का आयोजन भी हुआ और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया गया।